साप्ताहिक

आरएनआई न. :– जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 25 • कठुआ, शनिवार 15 नवंबर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रूपए

दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा : प्रधानमंत्री मोदी

सबका जम्मू कश्मीर

थिम्पू : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दिल्ली कार विस्फोट के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा और इसकी जांच कर रही एजेंसियां मामले की तह तक जाएंगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में खड़ा करेंगी। मोदी ने मंगलवार को कहा।

जिग्मे की 70वीं जयंती के अवसर पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंग्ये वांग. चुक से मुलाकात के दौरान मोदी ने कहा कि दिल्ली की घटना के मद्देनजर वह भारी मन से थिम्पू आए हैं ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमवार रात भर वह विस्फोट की जाँच कर रही जाँच एजेंसियों के संपर्क में रहे। सोमवार शाम लाल किले के पास एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी।

मोदी ने कहा कि भारत और भूटान के बीच सदियों से गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध रहा है और इस ''महत्वपूर्ण अवसर'' में भाग लेना उनकी प्रतिबद्धता है।

उन्होंने कहा, ष्लेकिन आज मैं बहुत भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने हम सभी को बहुत व्यथित कर दिया है। मैं उन परिवारों की पीड़ा समझता हूं जिन्होंने यह क्षति झेली है।

■ शेष पेज 2...

शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को दिल्ली विस्फोट में शामिल हर अपराधी की तलाश करने का निर्देश दिया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सुरक्षा एजेंसियों को दिल्ली विस्फोट के पीछे प्रत्येक अपराधी की तलाश करने का निर्देश दिया, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि इसमें शामिल सभी लोगों को सुरक्षा एजेंसियों के पूर्ण प्रकोप का सामना करना पड़ेगा।

शाह ने यह बात यहां लाल किले के निकट सोमवार शाम हुए विस्फोट के मद्देनजर आयोजित दो सुरक्षा समीक्षा बैठकों

■ शेष पेज 2...

दिल्ली विस्फोट : कार चलाने वाले व्यक्ति की मां को पुलवामा में डीएनए टेस्ट के लिए बुलाया गया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : पुलिस ने मंगलवार को उस व्यक्ति की मां को डीएनए परीक्षण के लिए जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले में ले गई, जिस पर लाल किले के पास विस्फोट करने वाली कार चलाने का संदेह है।

एक अधिकारी ने यहां बताया, ष्हमने संदिग्ध की मां को डीएनए नमूने लेने के लिए अपने साथ ले लिया है, ताकि विस्फोट स्थल पर मिले अंगों से उसका मिलान किया जा सके।ष

पुलिस ने बताया कि डॉ. उमर नबी कथित तौर पर उस हुंडई प20 कार को चला रहा था जिसका इस्तेमाल सोमवार को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र के पास हुए विस्फोट में किया गया था, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए थे। वह पुलवामा के कोइल गाँव का रहने वाला है।

संदिग्ध के दो भाई अपनी मां शमीमा बेगम के साथ परीक्षण के लिए अस्पताल गए।

अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट में शामिल कार की खरीद–बिक्री से जुड़े तीन लोगा. ` को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

उमर नबी की भाभी मुजामिल ने कहा कि परिवार को विश्वास नहीं हो रहा है कि वह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो सकता है।

उन्होंने बताया कि उनके देवर बचपन से ही अंतर्मुखी थे, उनके ज्यादा दोस्त नहीं थे और वे अपनी पढ़ाई और काम पर ही ध्यान देते थे।

मुज़म्मिल ने बताया, ष्वह फ़रीदाबाद के एक कॉलेज में फैकल्टी के तौर पर काम कर रहा था। उसने शुक्रवार को फ़ोन करके बताया था कि वह परीक्षाओं में व्यस्त है और तीन दिन बाद घर लौटेगा। वह बचपन से ही थोड़ा संकोची स्वभाव का था।ष

उन्होंने जोर देकर कहा कि उमर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने वाला व्यक्ति नहीं है।

उन्होंने कहा, ष्हमने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत संघर्ष किया कि वह शिक्षित हो जाए ताकि वह अपना और अपने परिवार का ध्यान रख सके। यह अविश्वसनीय है। मुजामिल

■ शेष पेज 2...

विश्वास नहीं हो रहा कि वह आतंकी गतिविधियों में शामिल हो सकता है : दिल्ली विस्फोट के संदिग्ध का परिवार

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट में शामिल संदिग्ध व्यक्ति के परिवार ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा है कि वह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो सकता है।

पुलिस ने बताया कि डॉ. उमर नबी कथित तौर पर उस हुंडई प20 कार को चला रहा था जिसका इस्तेमाल सोमवार को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र के पास हुए विस्फोट में किया गया था, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए थे। वह पुलवामा के कोइल गाँव का रहने वाला है।

डॉ. उमर नबी की भाभी मुजामिल ने बताया कि वह बचपन से ही अंतर्मुखी थे, उनके ज्यादा दोस्त नहीं थे और वह अपनी पढ़ाई और काम पर ध्यान केंद्रित करते थे।

मुज़म्मिल ने बताया, ष्वह फ़रीदाबाद के एक कॉलेज में फैकल्टी के तौर पर काम कर रहा था। उसने शुक्रवार को फ़ोन करके बताया था कि वह परीक्षाओं में व्यस्त है और तीन दिन बाद घर लौटेगा। वह बचपन से ही थोड़ा संकोची स्वभाव का था।ष

उन्होंने जोर देकर कहा कि उमर आतंकवादी गति. विधियों में शामिल होने वाला व्यक्ति नहीं है।

उन्होंने कहा, ष्हमने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत संघर्ष किया कि वह शिक्षित हो जाए ताकि वह अपना और अपने परिवार का ध्यान रख सके। यह अविश्वसनीय है।ष

मुजामिल ने बताया कि उमर आखिरी बार दो महीने पहले कश्मीर आया था।

दिल्ली पुलिस की शुरुआती जाँच से पता चलता है कि विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया होगा,

■ शेष पेज 2...

दिल्ली विस्फोट जैसे कृत्यों को अंजाम देने वालों का ब्रेनवॉश करने वाले तत्वों को अलग–थलग करना होगा : श्री श्री रविशंकर

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने मंगलवार को कहा कि लाल किले के पास विस्फोट जैसी घटनाओं को अंजाम देने के लिए लोगों का ब्रेनवॉश करने वाले तत्वों को अलग–थलग किया जाना चाहिए और उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

शंकर ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ष्यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। ऐसे तत्व, जो लोगों का ब्रेनवॉश करके उन्हें इस तरह की हरकतें करने के लिए प्रेरित करते हैं, उन्हें अलग–थलग कर दिया जाना चाहिए और उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

हालाँकि, उन्होंने देश के लोगों से शांति बनाए रखने और एकजुट रहने की अपील की।

उन्होंने कहा, ष्हम सभी एक हैं और एकजुट हैं, तथा शांति कायम रहनी चाहिए और हम सभी को प्रगति के मार्ग पर चलना चाहिए।

हाल ही में गिरफ्तार किए गए तीन कश्मीरी डॉक्टरों, जिनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद बरामद किया गया था, के बारे में पूछे गए सवाल पर आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि उन्हें सही शिक्षा नहीं मिली है।

उन्होंने कहा, उन्हें सही शिक्षा नहीं मिली है। मानवीय शिक्षा और शांति शिक्षा की आवश्यकता है।ष

शंकर ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

दिल्ली विस्फोट के...

पूरा देश उनके दुःख और समर्थन में उनके साथ खड़ा है।ष

उन्होंने हिंदी में कहा, षमैं पूरी रात मामले से जुड़ी सभी एजेंसियों और प्रमुख अधिकारियों के संपर्क में था। बातचीत जारी थी और जानकारियाँ जुटाई जा रही थीं।ष

उन्होंने कहा, षहमारी एजेंसियां इस साजिश की तह तक पहुंचेंगी। इसके पीछे के अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।ष

इसके बाद प्रधानमंत्री ने हिंदी से अंग्रेजी में बात की और घोषणा कीरू

षसभी जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।ष

भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक ने दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों के लिए चांगलीमेथांग स्टेडियम में हजारों भूटानी लोगों की उपस्थिति में प्रार्थना का नेतृत्व किया ।

भारतीय अधिकारियों ने बताया कि भूटानी नेतृत्व ने दिल्ली में हुए विस्फोट में हुई बहुमूल्य जानमाल की दुखद क्षति पर अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की तथा विस्फोटों से प्रभावित सभी लोगों के लिए विशेष प्रार्थना की।

दिल्ली में जांचकर्ता इस विस्फोट को एक संभावित आतंकवादी हमले के रूप में जांच रहे थे और उनकी नजर पुलवामा के एक डॉक्टर पर पड़ी, जो विस्फोट वाली कार चला रहा था।

डॉ. उमर माना जा रहा है कि नबी की मौत इसी विस्फोट में हुई है। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने इस संबंध की पुष्टि के लिए उसकी माँ का डीएनए नमूना पहले ही ले लिया है।

दिल्ली पुलिस ने कल रात बताया कि विस्फोट में नौ लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं। मंगलवार को बताया गया कि तीन लोगों की मौत के साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है।

थिम्पू में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में मोदी ने पूर्व नरेश और भूटान की जनता को भारत की जनता की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं ।

प्रधानमंत्री ने चौथे राजा के परिवर्तनकारी कार्यकाल पर प्रकाश डाला, जिसके तहत भूटान एक षआधुनिक राष्ट्र–राज्यष और एक संवैधानिक लोकतांत्रिक राजतंत्र के रूप में उभरा।

मोदी ने कहा कि चौथे राजा के नेतृत्व में भूटान ने सकल राष्ट्रीय खुशी की अनूठी अवधारणा पेश की, जिसमें आर्थिक विकास को स्थिरता के साथ मिश्रित किया गया।

मोदी ने कहा कि भूटान के चौथे राजा ज्ञान, सादगी, साहस और राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा का संगम हैं।

मोदी ने कहा कि उन्होंने भूटान में लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाई ।

दिल्ली विस्फोट के...

की अध्यक्षता करने के बाद कही।

उन्होंने एक्स पर लिखा, षवरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली कार विस्फोट पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्हें इस घटना के पीछे के प्रत्येक दोषी की तलाश करने के निर्देश दिए। इस कृत्य में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को हमारी एजेंसियों के कड़े प्रहार का सामना करना पड़ेगा।ष

पहली बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और एनआईए के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते शामिल हुए।

जम्मू–कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात भी वर्चुअली बैठक में शामिल हुए।

सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान शीर्ष अधिकारियों ने विस्फोट के बाद की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं।

दोपहर की सुरक्षा समीक्षा बैठक में लगभग वही अधिकारी उपस्थित थे।

गृह मंत्रालय ने विस्फोट की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को भी सौंप दी है।

यह स्पष्ट संकेत है कि इस विस्फोट को, जिसमें अब तक 12 लोगों की जान जा चुकी है, सरकार ने आतंकवादी कृत्य माना है, क्योंकि एनआईए को केवल आतंकवादी मामलों की जांच करने का अधिकार है।

शाह ने कहा है कि शीर्ष जांच एजेंसियां विस्फोट की जांच कर रही हैं और वे घटना की गहराई से जांच करेंगी।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में विस्फोट हुआ, जिसमें 12 लोग मारे गए, 20 घायल हुए और कई वाहन जलकर खाक हो गए।

दिल्ली विस्फोट...

ने बताया कि उमर आखिरी बार दो महीने पहले कश्मीर आया था।

दिल्ली पुलिस की शुरुआती जाँच से पता चलता है कि विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया होगा, जिससे इसका संबंध फरीदाबाद में पकड़े गए आतंकी मॉड्यूल से जुड़ता है, जहाँ 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री और ज्वलनशील पदार्थ ज़ब्त किए गए थे। सूत्र ने आगे कहा, षअंतिम रिपोर्ट का इंतज़ार है।ष

पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की, जो आतंकवादी हमले की सजा और साजिश से संबंधित हैं।

गृह मंत्रालय ने अब इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी है।

विश्वास नहीं हो...

जिससे इसका संबंध फरीदाबाद में पकड़े गए आतंकी मॉड्यूल से जुड़ता है, जहाँ 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री और ज्वलनशील पदार्थ ज़ब्त किए गए थे। सूत्र ने आगे कहा, षअंतिम रिपोर्ट का इंतज़ार है।ष

पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की, जो आतंकवादी हमले की सजा और साजिश से संबंधित हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अब इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी है।

दिल्ली विस्फोट जैसे....

कुछ वर्षों में जम्मू–कश्मीर में काफी प्रगति हुई है।

उन्होंने कहा, षमैं सात साल बाद यहां आया हूं। यहां काफी प्रगति हुई है और इससे हमें संतुष्टि मिलती है। पहलगाम में जो हुआ उसके बाद लोगों में डर है । लेकिन, दुनिया भर से करीब 500 लोग यहां आए हैं; कश्मीर में शांति है। युवा काफी सक्षम हैं और शांति का संद.`श फैलाना चाहते हैं।

सफेदपोश आतंक : इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि आरोपी भारी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट कैसे हासिल करने में कामयाब रहे

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : सुरक्षा एजेंसियां इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं कि कैसे एक परिष्कृत षसफेदपोशष आतंकवादी मॉड्यूल ने अमोनियम नाइट्रेट सहित भारी मात्रा में विस्फोटक हासिल करने और भंडारण करने में कामयाबी हासिल की, जिस पदार्थ का इस्तेमाल सोमवार को लाल किला क्षेत्र के पास हुए घातक विस्फोट में किया गया था, जिसमें 12 लोग मारे गए थे। इस हमले ने एक बार फिर इस बात को उजागर कर दिया है कि अमोनियम नाइट्रेट जैसे प्रति. बंधित रसायन को कितनी आसानी से हथियार बनाया जा सकता है , तथा अधिकारी हाल ही में पकड़े गए अंतर–राज्यीय आतंकी सेल के रसद और खरीद नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

सोमवार शाम लाल किले पर हुए विस्फोट से कुछ घंटे पहले ही तीन डॉक्टरों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक जब्त किया गया था। इस हमले में जैश–ए–मोहम्मद और अंसार–उद–दावा से जुड़े एक षसफेदपोशष आतंकी मॉड्यूल का खुलासा हुआ था। ग़ज़वत – उल–हिंद और कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ है।

अमोनियम नाइट्रेट एक दोहरे उपयोग वाला रसायन है, जिसे लोकप्रिय नाइट्रोजन उर्वरक के रूप में व्यापक रूप से महत्व दिया जाता है और पत्थर की खदानों में नियंत्रित विस्फोट के लिए निर्माण क्षेत्र में इसका बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

सल्फर जैसे अन्य रसायनों के साथ मिश्रित होने पर इसकी अस्थिर प्रकृति के कारण , यह आतंकवादी समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (प्म्क्) का एक पसंदीदा घटक बन गया । इसे ईंधन तेल में भी मिलाया जाता है जिससे अमोनियम नाइट्रेट फ्यूल ऑयल एक्सप्लोसिव (।छथ्व्) बनता है, जो तुरंत आग का कारण बनता है।

2019 के लेथपोरा (पुलवामा) हमले में आरडीएक्स के साथ इस रसायन का भी इस्तेमाल किया गया था, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। यह कार बम हमला प्रतिबंधित जैश–ए–मोहम्मद आतंकी संगठन द्वारा किया गया था।

इससे पहले, इस रसायन का इस्तेमाल प्रतिबंधित इंडियन मुजा. हिद्दीन आतंकवादी संगठन द्वारा 2000–2011 के दौरान मुंबई और राष्ट्रीय राजधानी में हुए विभिन्न हमलों में किया गया था।

आतंकवादी समूहों द्वारा बम बनाने में इसके लगातार उपयोग से चिंतित सरकार ने 2011 में 45 प्रतिशत से अधिक अमोनियम नाइट्रेट वाले उर्वरकों को विस्फोटक पदार्थ घोषित कर दिया।

औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) की 2011 में जारी एक राजपत्र अधिसूचना में कहा गया था, ष...केंद्र सरकार एतद्द्वारा घोषणा करती है कि अमोनियम नाइट्रेट या कोई भी संयोजन जिसमें भार के हिसाब से 45 प्रतिशत से अधिक अमोनियम नाइट्रेट हो, जिसमें इमल्शन,

दिल्ली विस्फोट के आरोपी के पिता को पूछताछ के लिए पुलवामा में हिरासत में लिया गया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : पुलवामा जिले में पुलिस ने मंगलवार को लाल किले के पास विस्फोट करने वाली कार चलाने वाले संदिग्ध व्यक्ति के पिता को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

गुलाम नबी अधिकारियों ने बताया कि भट को पुलिस ने पुलवामा के कोइल स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया । इससे कुछ ही घंटे पहले उसकी पत्नी को डीएनए परीक्षण के लिए ले जाया गया था।

पुलिस ने विस्फोट के संदिग्ध उमर के साथ काम करने वाले कई डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना फरीदाबाद में हुई।

उन्होंने बताया कि विस्फोट में शामिल कार की बिक्री और खरीद से जुड़े तीन अन्य व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

हालाँकि, अभी तक कोई औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, उमर पुलवामा निवासी और डॉक्टर नबी कथित तौर पर हुंडई आई20 कार चला रहे थे, जिसका इस्तेमाल लाल किला मेट्रो स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र के पास विस्फोट में किया गया था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि लाल किले के पास विस्फोट करने वाली कार चला रहे व्यक्ति की पहली तस्वीर इलाके के सीसीटीवी फुटेज में सामने आई है। उन्होंने बताया कि उसका फरीदाबाद के आतंकी मॉड्यूल से कथित तौर पर संबंध था, जहाँ से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की गई थी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लाल किले के पास हुए विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया होगा।

एक पुलिस सूत्र ने बताया कि शुरुआती जाँच से दिल्ली विस्फोट और फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल, जहाँ 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट ज़ब्त किया गया था, के बीच संभावित संबंध का पता चलता है। सूत्र ने आगे कहा, षअंतिम रिपोर्ट का इंतज़ार है।

डॉ. परनीश ने एसएमवीडी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में एमबीबीएस दाखिले में भेदभाव का आरोप लगाया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : प्रवेश प्रक्रिया की पारदर्शी समीक्षा की मांग वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. परनीश महाजन ने नव स्थापित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस (एसएमवीडीआईएमई), कटरा की पहली एमबीबीएस प्रवेश सूची में कथित भेदभाव पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने जेएंडके बोर्ड ऑफ प्रोफेशनल एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेकेबीओपीईई) द्वारा की गई चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाया और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) – एक वैधानिक हिंदू धार्मिक निकाय द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित संस्थान में भर्ती बैच में धार्मिक असंतुलन पर आश्चर्य व्यक्त किया।

आधिकारिक आँकड़ों का हवाला देते हुए, डॉ. महाजन ने कहा, षपहले एमबीबीएस बैच के लिए चुने गए 50 छात्रों में से 42 मुस्लिम समुदाय के हैं, जबकि केवल आठ हिंदू समुदाय से हैं। इस असमान प्रतिनिधित्व ने स्वाभाविक रूप से श्रद्धालुओं और आम जनता के बीच सवाल खड़े कर दिए हैं।

डोडा में वंदे मातरम समारोह का आयोजन

सबका जम्मू कश्मीर

डोडा : जिला प्रशासन डोडा ने आज भारत की स्वतंत्रता, गौरव और सांस्कृतिक विरासत की अमर भावना के प्रतीक, प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत ष्वंदे मातरमष् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम डीसी कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

यह स्मरणोत्सव एक राष्ट्रव्यापी समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के साथ इसका सीधा प्रसारण किया गया था, जिसमें उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक एकीकृत शक्ति के रूप में वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व और भावनात्मक शक्ति पर प्रकाश डाला था।

कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण समारोह से हुई, जिसके बाद ष्वंदे मातरमष् का भावपूर्ण गान हुआ, जिसने पूरे दिन देशभक्ति का माहौल बना दिया। राष्ट्रीय गौरव से प्रेरित गीतों, गायन और नृत्य प्रस्तुतियों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला ने इस अवसर को और भी रंगीन और जोश से भर दिया। ष्वंदे मातरमष् की विरासत पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें इसकी शाश्वत प्रासंगिकता और भारतीयों की पीढ़ियों को प्रेरित करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (एडीडीसी), अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) और अन्य सरक. ारी अधिकारियों ने बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1875 में रचित वंदे मातरम की ऐतिहासिक जड़ों और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसके साहस और समर्पण का गान बनने के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत और भारत की सामूहिक पहचान की याद दिलाने वाले ऐसे राष्ट्रीय प्रतीकों को संरक्षित करने के महत्व पर भी ज़ोर दिया।

इस बीच, जिले भर में सभी उप–मंडलों, तहसील मुख्यालयों और अन्य संस्थानों में वंदे मातरम समारोह आयोजित किए गए, जहां अधिकारी, कर्मचारी, छात्र और स्थानीय समुदाय राष्ट्रीय गीत की शाश्वत भावना को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए।

जम्मू में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने नियमितीकरण और बकाया वेतन की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास तक मार्च निकाला

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : नियमितीकरण, न्यूनतम मजदूरी के क्रियान्वयन और लंबित भुगतान जारी करने की मांग को लेकर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने गुरुवार को यहां मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास की ओर मार्च किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रोक दिया और उनके नेता को हिरासत में ले लिया। दैनिक वेतनभोगी, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों और आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कार्यकर्ताओं का एक संगठन, ऑल डेली वेजर्स जम्मू कश्मीर संघर्ष समिति, नियमित. ीकरण, लंबित भुगतान जारी करने और न्यूनतम मजदूरी के क्रियान्वयन की मांग कर रही है।

समिति के अध्यक्ष सनी कांत चिब के नेतृत्व में, महिलाओं सहित कई विभागों के सैकड़ों दैनिक वेतनभोगी और अस्थायी कर्मचारी, उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतर आए, क्योंकि सरकार उनकी लंबे समय से लंबित ष्वास्तविक मांगोंष् को पूरा करने में विफल रही है।

मुख्यमंत्री और सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए, उन्होंने रेजीडेंसी रोड पर सीएम के आवास की ओर मार्च किया, लेकिन शहीदी चौक पर एक बड़ी पुलिस टुकड़ी ने उन्हें रोक दिया।

पुलिस ने चिब को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद महिला कर्मचारी चौक पर धरने पर बैठ गईं और अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने की मांग करने लगीं। हिरासत में लिए जाने से पहले चिब ने पत्रकारों से कहा, ष्हम सैकड़ों दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करने, बड़ी संख्या में अस्थायी कर्मचारियों का वेतन जारी करने और न्यूनतम मजदूरी लागू करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने कुछ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों दिहाड़ी मजदूरों और अस्थायी कर्मचारियों के साथ वर्षों से अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा, ष्हम मुख्यमंत्री से मिलकर उनसे इस चिंता का समाधान करने का आग्रह करना चाहते थे।

वंदे मातरम का पाठ इस्लाम के खिलाफ नहीं : आरएसएस से संबद्ध मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के नेता

सबका जम्मू कश्मीर

जबलपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के राष्ट्रीय संयोजक एसके मुद्दीन ने गुरुवार को कहा कि श्वंदे मातरमश का पाठ इस्लाम के विरुद्ध नहीं है और इसका विरोध करने वाले मुस्लिम समुदाय को गुमराह कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली में राष्ट्रीय गीत श्वंदे मातरमश के एक साल तक चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन करेंगे और एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी करेंगे। यह इस कालातीत रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7 नवंबर, 2025 से 7 नवंबर, 2026 तक चलने वाले एक साल के राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का औपचारिक शुभारंभ होगा। मुद्दीन ने एक प्रेस बयान में कहा, ष्वंदे मातरम का अर्थ है श्हे मातृभूमि, मैं तुम्हें सलाम करता हूंश। जब यह उपजाऊ भूमि, पेड़ों, फूलों, पानी, पहाड़ों और देश की खूबसूरत सुबह और शाम की प्रशंसा करता है, तो इसे गैर–इस्लामी या शरीयत के अनुसार कैसे कहा जा सकता है।ष् वह पूर्व एमपी ओबीसी और अल्पसंख्यक वित्त निगम के उपाध्यक्ष और पूर्व एमपी मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा, ष्यह गीत राष्ट्र के प्रति प्रेम को व्यक्त करता है, जिसे इस्लाम में हुब्ब–उल–वतनी और हिंदी में राष्ट्रवाद के रूप में जाना जाता है। कुछ कट्टरपंथी इसे पूजा से जोड़कर मुसलमानों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। मुसलमानों को वंदे मातरम कहने में गर्व महसूस करना चाहिए और इसे गर्व के साथ पढ़ना चाहिए।ष् मुद्दीन ने दावा किया कि आजादी से पहले मौलाना अबुल कलाम आजाद और अन्य प्रमुख मुस्लिम नेता इसे गर्व के साथ पढ़ते थे, लेकिन आजादी के बाद कुछ अलगाववादी तत्वों ने समुदाय को गुमराह करने और इसे राष्ट्रीय मुख्यधारा से दूर रखने की कोशिश की है। मुद्दीन ने कहा कि 2006 में मध्य प्रदेश मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने इस गीत का अनुवाद कराया और इसे मुसलमानों और राज्य भर के सभी मदरसों में बोर्ड के साथ पंजीकृत कराया।

वंदे मातरम का विरोध करने वाले लोग नफरत और अलगाववादी मानसिकता को दर्शाते हैं : तरुण चुघ

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे : भाजपा ने भारत की आत्मा को श्रद्धांजलि दी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज जम्मू के महाराजा हरि सिंह जी पार्क में भारत के राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में नागरिकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और गणमान्य व्यक्तियों की भारी भीड़ उमड़ी और राष्ट्रवाद एवं एकता की अमर भावना का जश्न मनाया गया।

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं जम्मू–कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ, नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद एवं जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा, लोकसभा सांसद जुगल किशोर शर्मा, उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम प्रभारी प्रिया सेठी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, विधायक, पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, तरुण

चुघ ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा है, एक ऐसा नारा जिसने लाखों भारतीयों को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एकजुट किया और भारतीयता की भावना को जागृत किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम मातृभूमि के प्रति प्रत्येक भारतीय की श्रद्धा का प्रतीक है और एकता एवं गौरव की प्रेरणा देता है।

चुघ ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि वह तुष्टीकरण के अपने लंबे इतिहास और वोट बैंक को खुश करने के लिए राष्ट्रीय प्रतीकों का बार–बार अपमान करती रही है। उन्होंने कहा, ष्923 के काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन से, जब मौलाना मोहम्मद अली ने वंदे मातरम के गायन पर आपत्ति जताई थी, तब से लेकर 2019 में मध्य प्रदेश कांग्रेस सरकार द्वारा सचिवालय में इसके गायन पर प्रति. बंध लगाने के फैसले तक, कांग्रेस ने यही विभाजनकारी मानसिकता दिखाई है।ष् उन्होंने आगे कहा, ष्राष्ट्रीय गीत के प्रति यह निरंतर अनादर उनके भारत के विचार में गहरी जड़ें जमाए हुए कमज़ोरी को दर्शाता है। वंदे मातरम कार्यक्रमों के खिलाफ कश्मीर घाटी से हाल ही में आए बयानों का हवाला देते हुए, चुघ ने कहा कि ऐसी आवाज़ें नफ़रत और अलगाववाद से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा, ष्जो लोग वंदे मातरम का विरोध कर रहे हैं, वे किसी गीत का विरोध नहीं कर रहे हैं; वे भारत के विचार को ही नकार रहे हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जीडीसी आरएस पुरा ने अंतर-कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं को बधाई दी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जीडीसी आरएस पुरा ने अंतर–कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं को बधाई दी सरकारी डिग्री कॉलेज, आरएस पुरा ने हाल ही में अंतर–कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए अपने उत्कृष्ट एथलीटों को गर्व से बधाई दी। कॉलेज की टीमों ने विभिन्न स्पर्धाओं में अनुकरणीय प्रतिभा, अनुशासन और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। वॉलीबॉल (लड़कियों) की टीम ने जेकेपी 8 बटालियन द्वारा आयोजित ओपन वॉलीबॉल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता । पुलिस लाइन सिम्बल ने अपने उत्साही प्रदर्शन और टीम वर्क के माध्यम से गौरव हासिल किया। खो–खो (पुरुष) टीम ने असाधारण चपलता और समन्वय का प्रदर्शन किया, शीर्ष कलाकारों के बीच एक अच्छी तरह से योग्य तीसरा स्थान अर्जित किया। गतका (पुरुष) दल ने इस मार्शल आर्ट की समृद्ध परंपरा को कायम रखते हुए महान कौशल और वीरता का प्रदर्शन किया और कांस्य पदक लाया, जबकि कौर ने विजेताओं को जीडीसी आरएस पुरा का नाम रोशन करने के लिए बधाई दी और शारीरिक शिक्षा विभाग, खेल समिति और प्रशिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ऐसी उपलब्धियाँ छात्रों में खेल और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। पूरा कॉलेज परिवार पदक विजेताओं को हार्दिक बधाई देता है और भविष्य के टूर्नामेंटों में उनकी निरंतर सफलता की कामना करता है। प्रधानाचार्य, स्टाफ और छात्रों ने विश्व कप 2025 जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को भी बधाई दी, कॉलेज में केक काटकर सभी ने इस पल का आनंद लिया।

धारा 107 बीएनएसएस के तहत 8.5 लाख रूपये की संपत्ति कुर्क

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : ऑनलाइन धोखाधड़ी से प्राप्त अपराध की आय के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, पुलिस स्टेशन सुरनकोट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 के तहत लगभग 8.5 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की है। केस एफआईआर संख्या 71/2025 यू/एस 319(2)/318(4)/336(3)/340(2)/ 3(5) बीएनएस और 66(सी)/66(डी) आईटी अधिनियम की जांच के दौरान, यह पता चला कि एक मारुति सुजुकी ब्रेज़ा कार (पंजीकरण संख्या जेके02सीक्यू–2851) को आरोपी साजिद खान पुत्र मोहम्मद सादिक निवासी ड्रोगैन, तहसील सुरनकोट ने टेलीग्राम एप्लिकेशन और ड्रीम11 प्लेटफॉर्म का उपयोग करके धोखाधड़ी और प्रतिरूपण से जुड़ी धोखाधड़ी गतिविधियों के माध्यम से उत्पन्न अपराध की आय से खरीदा था।

सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार, उक्त वाहन को धारा 107 बीएनएसएस के तहत कुर्क/जब्त कर लिया गया है ताकि उसके हस्तांतरण, विक्रय या निपटान को रोका जा सके।

वाहन पर एक कुर्की नोटिस भी चिपका दिया गया है, जिसमें आम जनता को आगाह किया गया है कि अगले आदेश तक कोई भी व्यक्ति उक्त संपत्ति को न तो खरीदेगा, न पट्टे पर देगा, और न ही उसमें कोई तृतीय–पक्ष हित सृजित करेगा। पुंछ जिला पुलिस, एसएसपी पुंछ शफकत हुसैन, जेकेपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में, कानून के अनुसार गैरकानूनी तरीकों से अर्जित संपत्तियों की पहचान, रोकथाम और जब्ती के लिए प्रतिबद्ध है।

जीडीसी सिधरा में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (जीडीसी) सिधरा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई गई देशभक्ति के जोश और सामूहिक भावना के साथ मातरम । छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने पूरे उत्साह से भाग लिया, जो राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत के गायन के साथ हुई, जिसके बाद कई देशभक्ति गीता. और मंत्रों ने एक जीवंत और उत्साहपूर्ण वातावरण का निर्माण किया। इसके बाद एकता दौड़ का आयोजन किया गया, जो सद्भाव और एकजुटता के मूल्यों का प्रतीक थी । दौड़ के बाद, छात्र और शिक्षक कक्षा में एकत्र हुए, जहाँ कॉलेज की योग्य प्राचार्या, प्रो. सीमा मीर को सम्मान स्वरूप एक पौधा भेंट किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. शोनिमा ने किया। खेलकूद बोर्ड की संयोजक और समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ . मल्होत्रा ने अपनी स्वरचित देशभक्ति कविता से समारोह का शुभारंभ किया और इस अवसर को एक भावपूर्ण माहौल प्रदान किया। अपने संबोधन में, सुयोग्य प्राचार्य प्रो. सीमा मीर ने वंदे मातरम के गहन महत्व पर ज़ोर दिया। मातरम कृइसका अर्थ, स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका और आधुनिक भारत में इसकी निरंतर प्रासंगिकता। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे राष्ट्रीय गीत नागरिकों में एकता, भक्ति और उत्तरदायित्व की भावना जगाता है। प्रो. मीर ने भी छात्रों के साथ देशभक्ति के गीत गाए, जिससे सभा का उत्साह और बढ़ गया और युवा श्रोताओं में उत्साह भर गया। इसके बाद प्रो. (डॉ.) शहनाज़ ने एक सारगर्भित भाषण दिया।

उर्दू विभागाध्यक्ष, डॉ. कादरी ने राष्ट्रीय गीत की सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रासंगिकता पर बात की। बीए पाँचवें सेमेस्टर की छात्रा सुहानी ऐथमियां और शाहजहां ने सुस्पष्ट भाषण प्रस्तुत किए, जिनसे श्रोताओं को वंदे मातरम की रचना, संदर्भ और महत्व से परिचित कराया गया। मातरम ।

प्रो (डॉ) पूजा शर्मा, प्रमुख, डोगरी विभाग , और प्रो गुरजीत सिंह, प्रमुख, पंजाबी विभाग द्वारा संक्षिप्त लेकिन सार्थक भाषण भी दिए गए , दोनों ने भारत की विविध भाषाई और सांस्कृतिक परंपराओं में गीत की एकीकृत शक्ति पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का समापन श्री दीपक कुमार, पीटीआई द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने योग्य प्रिंसिपल, संकाय सदस्यों और छात्रों को उत्सव को यादगार और प्रभावशाली बनाने में उनकी समर्पित भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।

डोडा : स्वास्थ्य विभाग ने नशीली दवाओं के दुरूपयोग के खिलाफ आईईसी अभियान तेज किया

सबका जम्मू कश्मीर

डोडा : स्वास्थ्य विभाग डोडा ने उपायुक्त के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी की देखरेख में चल रहे सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अभियान के तहत नशा विरोधी जागरूकता सत्रों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। जागरूकता कार्यक्रम ग्राम हिमोते, मानू, डुगरून, कलजुगासर, चतरा, भेजा, चोनवारी, चिंता, धारेवेरी, बूढ़ी, तंता, भेली और जिले भर के कई अन्य स्थानों पर आयोजित किए गए।

स्वास्थ्य विभाग के संसाधन व्यक्तियों ने छात्रों और समुदाय के सदस्यों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों और स्वास्थ्य, परिवार एवं समाज पर इसके दूरगामी परिणामों के बारे में जागरूक किया। प्रतिभागियों ने नशीली दवाओं से दूर रहने और एक स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प भी लिया।

इस अभियान का उद्देश्य जिला डोडा में मादक द्रव्यों के सेवन को रोकने और युवाओं के कल्याण की सुरक्षा के लिए जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना है।

एनसीसी कैडेट्स ने वृद्ध एवं अशक्त आश्रम में गर्मजोशी, करूणा और सेवा का प्रसार किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : करुणा, अनुशासन और सामाजिक ज़िम्मेदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, 8वीं जम्मू–कश्मीर गर्ल्स एनसीसी बटालियन की कैडेट्स ने जम्मू के अंबफल्ला स्थित वृद्ध एवं दिव्यांग आश्रम (वृद्ध आश्रम) का दौरा किया । यह दौरा संस्थान के वृद्ध निवासियों को खुशी, देखभाल और भावनात्मक सहारा देने के उद्देश्य से एक हृदयस्पर्शी प्रयास था।

इस कार्यक्रम में कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कैदियों के साथ बातचीत की, उनके जीवन के अनुभव सुने, मुस्कुराहटें साझा कीं और गर्मजोशी व आपसी सम्मान से भरे माहौल में गुणवत्तापूर्ण समय बिताया। युवा कैडेटों के स्नेह और विनम्रता से अभिभूत होकर, बुजुर्ग निवासियों ने उनकी इस विचारशील पहल के लिए उन्हें आशीर्वाद दिया।

इस यात्रा के दौरान, कैडेटों ने होम के निवासियों के बीच 40 वार्मर (20 महिलाओं के लिए और 20 पुरुषों के लिए) वितरित किए। यह विचारशील कार्य सर्दियों के मौसम के आगमन पर निवासियों के आराम और कल्याण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया था। यह कार्य सामाजिक कल्याण और मानवीय मूल्यों के प्रति एनसीसी की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था।

दौरे पर आई एनसीसी टीम का नेतृत्व कर्नल मनीष ने किया जसरोटिया , सीओ, एएनओ गुरविंदर के साथ कौर , सुश्री एकता शर्मा, हवलदार । रवि कुमार, हवलदार . बीके शर्मा एवं हवलदार नासिर मीर। उनकी उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी ने कैडेटों को एनसीसी के आदर्श वाक्य – ष्कता और अनुशासनष् के अनुरूप, ईमानदारी और सहानुभूति के साथ समाज की सेवा जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

इंजी . श्री द्वारा आगंतुक गणमान्य व्यक्तियों और एनसीसी दल का औपचारिक स्वागत किया गया। होम की प्रबंध समिति के सदस्य पंकज गुप्ता। एमसीएम के श्री आर.सी.वैद ने भी कैडेटों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सचिव डॉ. दिनेश गुप्ता, संयुक्त सचिव श्री विजय गुप्ता और श्री. सतपाल शर्मा, प्रबंध समिति सदस्य।

जीडीसी कास्तीगढ़ में राष्ट्रीय गीत के सामूहिक गायन के साथ सप्ताह भर चलने वाली गतिविधियां शुरू

सबका जम्मू कश्मीर

डोडा : सरकारी डिप्टी एसपी अमन ठाकुर मेमोरियल डिग्री कॉलेज कास्तीगढ़ ने आज राष्ट्रीय गीत के सामूहिक गायन के साथ वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए एक प्रेरणादायक परिचयात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के साथ एक सप्ताह तक चलने वाले समारोह की शुरुआत हुई जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, सांस्कृतिक जागरूकता और भारत की गौरवशाली विरासत के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना था।

संकाय सदस्यों और छात्रों द्वारा गाए गए इस गीत ने राष्ट्रीय गौरव और एकता से ओतप्रोत वातावरण का निर्माण किया। छात्रों को बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित इस गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और साहित्यिक महत्ता से भी अवगत कराया गया, जिसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्रता और राष्ट्रवाद की भावना जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इस अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य प्रो. कोशल कुमार मंगोत्रा ने विद्यार्थियों के उत्साह और भागीदारी की सराहना की तथा युवाओं को राष्ट्र की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जड़ों से जोड़ने के महत्व पर प्रकाश डाला।

जाति के चक्रव्यूह में फंसा आरएसएस

आलेख : सवेरा, अनुवाद : संजय पराते

आरएसएस की विचारधारा की सबसे बड़ी असफलताओं में से एक है हिंदुत्व (या सनातन) का महिमामंडन करने की उसकी लड़खड़ाती–डगमगाती कोशिशें, जबकि वह लोगों को यह समझाने की को. शिश कर रहा है कि वह हिंदुत्व के एक अभिन्न अंग –– क्रूर और अमानवीय जाति व्यवस्था –– की निंदा करता है। हिंदू राष्ट्र की स्थापना के लिए, आरएसएस सभी हिंदुओं को एकजुट करना चाहता है। यही उसका प्राथमिक लक्ष्य रहा है और वास्तव में, उसके अस्तित्व का मूल कारण भी। लेकिन हिंदुत्व के तथाकथित गौरव का बखान करना, जैसा कि उसके विचारक और नेता एक सदी से करते आ रहे हैं, पर्याप्त नहीं है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, उन्होंने अन्य तरीकों का भी इस्तेमाल किया है –– गैर–हिंदुओं, खासकर मुसलमानों के प्रति घृणा फैलाना ; देश के लिए खतरा पैदा करने वाले दुश्मनों के इर्द–गिर्द केंद्रित अति–राष्ट्रवाद की भावना को भड़काना ; इत्यादि। लेकिन इन सबके बावजूद, और केंद्र में प्रचारकों के नेतृत्व वाली सरकार होने से मिली गति के बावजूद, आरएसएस अभी भी खुद उलझनों में उलझा हुआ है, किसी तरह लोगों को यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि वे जाति को भूल जाएँ और खुद को सिर्फ़ हिंदू समझें। उनके विचारों और व्यवहार पर बारीकी से नज़र डालना ज़रूरी और शिक्षाप्रद है, ताकि यह समझा जा सके कि आरएसएस वर्षों से इस अप्राप्य लक्ष्य से जूझते हुए किस तरह के पाखंड, झूठ और छल–कपट का सहारा ले रहा है।

'जाति व्यवस्था हिंदू धर्म का अभिन्न अंग है'

ऋग्वेद, मनु स्मृति, आपस्तंभ धर्मसूत्र, शतपथ ब्राह्मण, ऐतरेय ब्राह्मण आदि सभी महत्वपूर्ण धर्मशास्त्र न केवल ब्रह्मा के शरीर से चार वर्णों की उत्पत्ति की व्याख्या करते हैं, बल्कि बहिष्कृतों और शूद्रों के कर्तव्यों और उनके उल्लंघनों के लिए दंड का भी विस्तृत विवरण देते हैं। यह सब क्यों दिया गया है? क्योंकि चतुर्वर्ण व्यवस्था हिंदू धर्म का एक अभिन्न अंग थी। यह शासकों द्वारा श्रमिक वर्गों को गुलाम बनाने का प्रमुख साधन था। पदानुक्रमिक व्यवस्था, पवित्रता बनाए रखने की धारणा (अस्पृश्यता, सहभोज का निषेध, विवाह, आदि) और ऐसी ही अन्य विशेषताएँ इसके अभिन्न अंग थे और शास्त्रों द्वारा अनुमोदित थीं। लेकिन, आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक (सुप्रीमो) और इसके प्रमुख विचारक एमएस गोलवलकर उर्फ गुरुजी कहते हैं कि, ष्अस्पृश्यता की बीमारी लोगों की इस मान्यता में निहित है कि यह धर्म का हिस्सा है और इसका कोई भी उल्लंघन महापाप होगा। यही विकृत कारण है कि समाज सुधारकों और धर्मगुरुओं के सदियों के समर्पित प्रयासों के बावजूद, यह घातक परंपरा आज भी आम लोगों के दिलों में बसी हुई है।ष (गुरुजी और सामाजिक समरसता ; रमेश पतंगे द्वारा संक. लित). इस एक विचार में आपको झूठ का पूरा पुलिंदा दिखाई देता है। स्वयं गुरुजी और आरएसएस, मनुस्मृति को शासन और न्यायशास्त्र के आदर्श ग्रंथ के रूप में स्थापित करते रहे हैं। यह धर्मग्रंथ स्पष्ट रूप से अस्पृश्यता के कानून के उल्लंघन के लिए विभिन्न अमानवीय दंडों का प्रावधान करता है, जिसमें शूद्र की छाया ब्राह्मण पर पड़ने जैसे अपराध भी शामिल हैं। यह असंभव है कि गुरुजी इससे अनभिज्ञ रहे हों। फिर भी वह बेशर्मी से इस बात से इंकार करते हैं कि अस्पृश्यता धर्म या चतुर्वर्ण व्यवस्था का हिस्सा है। इस झूठ को और आगे बढ़ाते हुए वह यह झूठा दावा भी करते हैं कि विभिन्न धर्मगुरु और सुधारक सदियों से इस स्थिति को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। शायद वह बौद्ध धर्म की बात कर रहे होंगे –– लेकिन गोलवलकर ने (उसी पुस्तिका में) जाति व्यवस्था को कमज़ोर करने और पश्चिमी पंजाब तथा पूर्व (बंगाल) और उत्तर–पूर्व में इस्लाम के प्रसार के लिए बौद्ध प्रभाव को ज़िम्मेदार ठहराया है। तो, इस भ्रामक तर्क के अनुसार, इस्लाम से लड़ने के लिए जाति व्यवस्था ज़रूरी थी, फिर यह बुरी बात कैसे हुई? बौद्ध धर्म

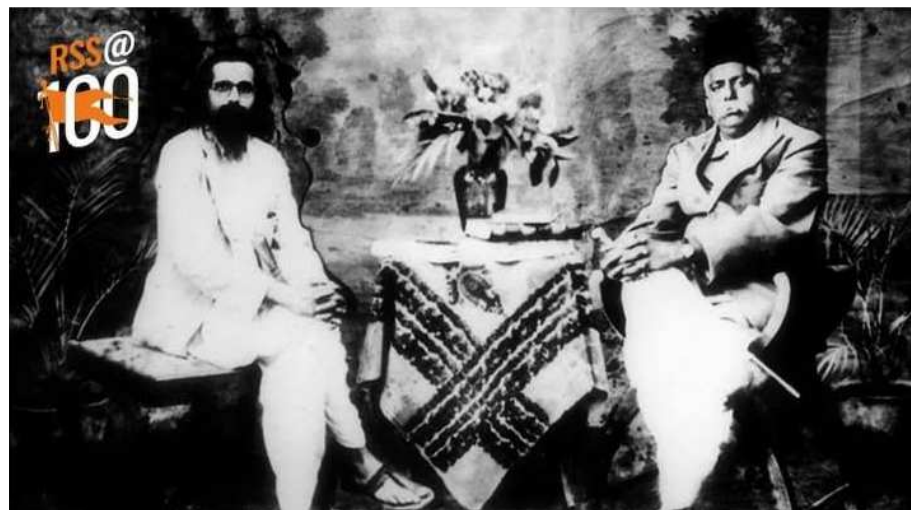

के अलावा, और कौन–सा सदियों पुराना आंदोलन है, जो सुधार आंदोलन के रूप में पहचाना जा सकता है? यह और कुछ नहीं, बल्कि आरएसएस के पास मौजूद एकमात्र उपकरण –– निराधार (और झूठे) इतिहास –– का हवाला देकर अपने विचारों को पुष्ट करने का एक प्रयास है।

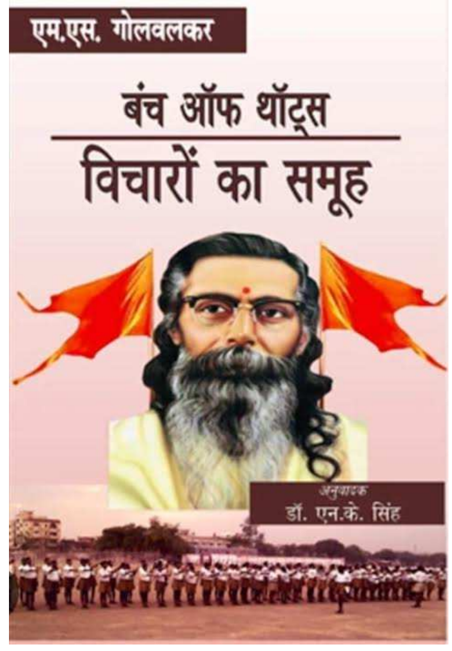

इसी पुस्तिका में गोल. वलकर को स्पष्ट रूप से यह कहते हुए उद्धृत किया गया है, ष्हम न तो जाति व्यवस्था के पक्ष में हैं, न ही उसके विरुद्ध। हम इसके बारे में बस इतना जानते हैं कि संकट के दौर में यह बहुत उपयोगी थी, और अगर आज समाज को इसकी आवश्यकता महसूस नहीं होती, तो यह अपने आप समाप्त हो जाएगी। इसमें दुःखी होने का कोई कारण नहीं है।ष वे स्वयंसेवकों से बार–बार आग्रह करते हैं कि वे जातिगत अन्याय के विरुद्ध श्कार्यक्रमश या आंदोलन शुरू करने के बारे में न सोचें, क्योंकि इससे केवल कटुता और विरोध ही बढ़ता है।

'आरक्षण'

गोलवलकर सकारात्मक कार्रवाई और दलितों व आदिवासियों को अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति कहने की भी कड़ी निंदा करते हैं। आरएसएस के लिए एक पाठ्यपुस्तक है बंच ऑफ थॉट्स, जिसमें गुरुजी के ज्ञान–सागर के मोती संग्रि. हत हैं। इसमें वे लिखते हैं, ष्हमारे लोगों के कुछ तबकों को हरिजन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति आदि नाम देकर उनमें ईर्ष्या और संघर्ष पैदा करने वाली अलगाववादी चेतना को बढ़ावा दिया जा रहा है और उन्हें विशेष रियायतों का लालच देकर, पैसे का लालच देकर अपना गुलाम बनाया जा रहा है।ष

यही कारण है कि समय–समय पर आरएसएस नेता नौकरियों में आरक्षण पर पुनर्विचार करने की बात करते रहते हैं, जैसा कि उनके वर्तमान प्रमुख मोहन भागवत ने 2015 और 2018 में किया था, लेकिन बाद में कड़ी प्रतिक्रिया के बाद वे इसे ढकने की कोशिश करते हैं।

अन्यत्र, अन्य आरएसएस नेताओं ने आरक्षण का समर्थन करना बेहतर समझा दृ लेकिन वे इस बारे में क्या सोचते हैं, इसका एक उदाहरण यहाँ दिया जा रहा है। दत्तोपंत ठेंगड़ी, जो आरएसएस की कई पुस्तिकाओं के लेखक और उनकी ट्रेड यूनियन शाखा (बीएमएस) और किसान संगठन (बीकेएस) के संस्थापक थे, सामाजिक समरसता संघ के भी संस्थापक थे। (ध्यान दें कि श्समरसताश जाति व्यवस्था के बारे में बात करने के लिए आरएसएस का कोड है। इसका शाब्दिक अर्थ समान भावना या विचार है और यह सामाजिक समरसता को दर्शाता है। आरएसएस इसका प्रयोग विशेष रूप से विभिन्न जातियों के बीच सद्भाव के लिए करता है।) ठेंगड़ी का व्याख्यान एक पुस्तिका में प्रकाशित हुआ है, जहाँ वे कहते हैं, ष्हमारे परिवारों में सदियों से आरक्षण का प्रचलन रहा है। एक माँ के दो बेटे हैं, दोनों स्वस्थ हैं, उन्हें हर सुबह पीने के लिए दूध मिलता है। तीसरा बेटा पैदा होता है, विकलांग और कमजोर, डॉक्टर सलाह देते हैं कि उसे पर्याप्त दूध दिया जाना चाहिए। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। माँ अपने दोनों बड़े बेटों से कहती है कि मैं तुम्हें हर सुबह दूध देती रही हूँ, लेकिन अब सभी को पर्याप्त दूध देना संभव नहीं है ; डॉक्टर ने कहा है कि इस लड़के को पर्याप्त दूध दो ; इसलिए, मैं तुम दोनों को चाय दूंगी, ठीक है? दोनों लड़के कहते हैं कि यह हमारा भाई है, हम चाहते हैं कि यह स्वस्थ हो जाए। इसलिए, आप इसे दूध दें। हम चाय पी सकते हैं। यह आरक्षण है, जो सदियों से हिंदू परिवारों में प्रचलित है।

(समरस हिंदू समाज, विश्व संवाद केंद्र, झारखंड)

यह बचकाना दृष्टांत दृ जो आरएसएस की पहचान है दृ एक क्रूर सच्चाई को छुपाता है। यह दलितों को जन्म से ही विकलांग और कमज़ोर दिखाता है, जो ईश्वर या प्रकृति का एक कृत्य है, और इस क्रूर तथ्य को छुपाता है कि उनकी कमज़ोरी जाति–आधारित सामाजिक व्यवस्था की देन है। यहाँ तक कि आरक्षण के साथ समझौता करते हुए भी दृ संभवतः दलितों का दिल जीतने के अवसरवादी कारणों से दृ आरएसएस अपनी अहंक. ारी ब्राह्मणवादी सोच को उजागर करने के लिए मजबूर है। इसी बुनियादी पूर्वाग्रह के कारण आरएसएस और उसके सहयोगी संगठन, जिनमें पहले जनसंघ और बाद में भाजपा भी शामिल है, हमेशा आरक्षण–विरोधी आंदोलनों का हिस्सा बनते हैं। वे 1978 में बिहार, 1981 में गुजरात और 1990 के मंडल–विरोधी आंदोलन में आरक्षण–विरोधी आंदोलनों का हिस्सा थे। औपचारिक रूप से, वे खुले तौर पर आरक्षण का विरोध नहीं करते, लेकिन व्यवहार में वे विरोध करते हैं। गोलवलकर और अन्य नेता अक्सर कहा करते थे कि सभी जातियों में गरीब लोग हैं, उनके लिए भी कुछ किया जाना चाहिए। अंततः, इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत सीटों और रिक्तियों का आरक्षण हुआ, जो वास्तव में बिल्कुल निरर्थक था, क्योंकि इसमें 8 लाख रुपये की वार्षिक आय सीमा निर्धारित की गई थी ––– इस प्रकार देश की लगभग 90 प्रतिशत आबादी इसके दायरे में आ गई।

'जातिगत अन्याय के खिलाफ आरएसएस का संघर्ष'

आरएसएस वर्षों से अस्पृश्यता से लड़ने और समाज में श्समरसताश स्थापित करने के तरीके खो. जने का प्रयास कर रहा है। एक समय गोलवलकर ने कहा था कि धर्मगुरुओं (धर्म के आदरणीय शिक्षकों) द्वारा अछूत माने जाने वाले लोगों को शुद्ध करने के लिए एक सरल अनुष्ठान की कल्पना की जानी चाहिए और उन्हें पवित्र किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ष्यदि धर्मगुरु ऐसी कोई प्रक्रिया बनाते हैं और उसे स्वीकार करते हैं, तो धर्म की पूरी शक्ति उसके पीछे होगी और जो लोग इसका विरोध करते हैं, वे कमज़ोर हो जाएँगे।ष उन्होंने आगे बताया कि यह सरल अनुष्ठान क्या हो सकता है रू ष्यह इतना सरल होना चाहिए कि गले में केवल एक माला डालना और ईश्वर का नाम (नाम–स्मरण) लेना ही पर्याप्त हो।ष (श्री गुरुजी समग्र, खंड 9, पृष्ठ 169–170)

ध्यान दें कि अछूत माने जाने वाले लोगों को इस प्रक्रिया या अनुष्ठान से गुज़रना ही होगा, चाहे वह कितना भी सरल और आसान क्यों न हो। जो लोग सोचते हैं कि दूसरे इंसान अछूत हैं और वे अमानवीय दंड के पात्र हैं, यदि वे सीमाओं का उल्लंघन करते हैं तो उन्हें किसी भी अनुष्ठान या पूजा–अर्चना से नहीं गुज़रना चाहिए। बेशक, इस नुस्खे का उद्देश्य ऊँची जातियों को यह विश्वास दिलाना है कि वह व्यक्ति अब श्स्पर्श योग्यश हो गया है। बहरहाल, यह सारी विकृत सोच धरी की धरी रह गई। जैसा कि 1969 में विश्व हिंदू परिषद के बहुप्रशंसित उडुपी सम्मेलन में हुआ था, जहाँ विभिन्न हिंदू संप्रदायों के साधु–संत एकत्रित हुए थे और उन्होंने घोषणा की थी कि अछूत प्रथा अस्वीकार्य है। गोलवलकर ने इस घोषणा के महत्व पर बार–बार ज़ोर दिया, लेकिन वे इसका हश्र देखने के लिए ज़्यादा दिन जीवित नहीं रहे, और 1973 में उनका निधन हो गया। दलितों पर अत्याचार न केवल बेरोकटोक जारी रहे हैं, बल्कि बढ़े भी हैं दृ और इसमें आरएसएस और उसके सहयोगियों की भी कम भूमिका नहीं है।

बाद में, आरएसएस नेताओं ने समाज में समरसता की भावना जगाने के लिए विभिन्न अभियान शुरू किए। इसमें तीन कार्यक्षेत्र शामिल थे, जैसा कि मोहन भागवत ने अपने सरकार्यवाह (एक प्रकार से महासचिव या कार्यकारी, जो सरसंघचालक के बाद दूसरे स्थान पर आता है) के रूप में समझाया था रू स्वयंसेवक और उसका परिवार, उसका संगठन और व्यापक समाज। इसका उद्देश्य पदानुक्रम की आदत और साथ में भोजन करने या एक जैसा जीवन जीने के निषेध को समाप्त करना था। दलित परिवारों से मिलना, उनके उत्सवों या शुभ अवसरों में भाग लेना और ज़रूरत के समय वहाँ उपस्थित रहना, और ऐसी ही अन्य गतिविधियाँ करने का आरएसएस सदस्यों से आग्रह किया जाता हैं। उन्हें अपने परिवार को भी इस दृष्टिकोण से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

यह सब इस सिद्धांत पर आधारित है कि जाति एक मानसिक रचना है, एक आदत है, और यदि इसे धीरे–धीरे नए श्संस्कारोंश से बदल दिया जाए, तो यह लुप्त हो जाएगी। यह कितना प्रभावी रहा है, यह सभी के सामने है। क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि पद्धति ही गलत है? या ऐसा इसलिए है, क्योंकि इसे कभी पूरी तरह से लागू नहीं किया गया? उत्तर है रू दोनों। जब भ्रम होगा, या यूँ कहें कि विरोधाभासी विचार होंगे, तो पूरा दृष्टिकोण त्रुटिपूर्ण होगा और इसलिए कार्यान्वयन अपूर्ण होगा। दशकों तक इसका अनुसरण करने के बाद, आरएसएस ने एक बार फिर घोषणा की है कि वह श्पंच परिवर्तनश नामक एक विशाल कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है, जो परिवार, संगठन और समाज के उन्हीं तीन क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। ये पाँच परिवर्तन हैं रू सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व पर जोर और नागरिक कर्तव्य। एक बार फिर, समरसता एजेंडे पर है, क्योंकि आरएसएस हिंदू एकता का निर्माण करते हुए जातिगत विभाजन की गुत्थी सुलझाने की को. शिश में लगा है। वह इस बात की समीक्षा तक नहीं कर पाया है कि सौ सालों में वह ऐसा करने में क्यों विफल रहा है –– और वह समय दूर नहीं, जब उसे इस असफलता पर पछताना पड़ेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने सर्जरी के भविष्य को दिया नया आयाम, दुनिया की पहली टेलीसर्जन कोंसोल एसएसआईआई मंत्रासन लॉन्च

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : आधुनिक सर्जिकल रोबोटिक टेक्नोलॉजी के डेवलपर एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल जो रोबोटिक सर्जरी को दुनिया में किफ़ायती एवं सुलभ बनाने के लिए प्रयासरत है ने एक बार फिर से इनोवेशन की सीमाओं को पार करते हुए दुनिया के पहले टेलीसर्जन कोंसोल एसएसआईआई मंत्रासन का अनावरण किया है।

मंत्रासन, दुनिया का पहला पूरी तरह से इंटीग्रेटेड, अर्गोनोमिक एवं पोर्टेबल टेलीसर्जरी कोंसोल है जो रिमोट प्रेसीज़न के साथ रोबोटिक्स क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव है। यह दर्शाता है कि किस तरह सर्जिकल विशेषज्ञता को किसी भी विशेष सर्जन के ऑफिस से टेलीसर्जन कोंसोल के छोटे डिज़ाइन तक विस्तारित किया जा सकता है जिससे टेलीसर्जरी करने के लिए पूरे ऑपरेटिंग रूम को सर्जन कोंसोल से जोड़ने की ज़रूरत नहीं रहती। रोबोटिक टेक्नोलॉजी का यह इनोवेशन सर्जिकल केयर में महत्वपूर्ण है जिसके द्वारा विशेषज्ञ सर्जन कॉम्पैक्ट, सेल्फ–कंटेन्ड रोबोटिक सिस्टम के ज़रिए रिमोट से संचालन कर सकते हैं। खास बात यह है कि इसे भारत में डिज़ाइन एवं निर्मित किया गया है। कार्यक्रम में मेडिकल एवं सर्जिकल क्षेत्र से जाने–माने विशेषज्ञ डॉ सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक एवं चेयरमैन, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल;

डॉ विश्वा श्रीवास्तव, सीईओ, एपीएसी, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल;

डॉ ललित मलिक, चीफ़ कार्डियक सर्जन, जयपुर मणिपाल हॉस्पिटल;

डॉ सोमशेखर, एसपी, चेयरमैन, मेडिकल अडवाइज़री बोर्ड, एस्टर डीएम हेल्थकेयर, जीसीसी एंड इंडिया और डॉ वेंकटेश मुनिकृष्णन, कन्सलटेन्ट कोलोरेक्टल एंड रोबोटिक सर्जन, अपोलो हॉस्पिटल्स आदि मौजूद रहे।

लॉन्च के मौके पर डॉ सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक एवं चेयरमैन, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने बताया कि, "टेली सर्जन कोंसोल के साथ हमने आधुनिक सर्जिकल केयर को सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मंत्रासन, टीएससी के माध्यम से हम दर्शा रहे हैं कि कैसे भारतीय इनोवेशन सर्जन की विशेषज्ञता को दुनिया के किसी भी कोने में पहुंचा कर हेल्थकेयर डिलीवरी में बदलाव लाया जा सकता है। कोंसोल का साइज़ छोटा होने के कारण सर्जन अपने ऑफिस से ही टेलीसर्जरी को अंजाम दे सकते हैं। तो अब टेलीसर्जरी करने के लिए ऑपरेटिंग रूप या पूरे मंत्रा सिस्टम की ज़रूरत नहीं होगी। कोंसोल के छोटे फुटप्रिन्ट और सेल्फ–कंटेंड चेयर होने की वजह से यह बेहद फायदेमंद है जो सभी इलेक्ट्रोनिक्स चेयर में ही इनबिल्ट है। सर्जन को 3 डीव्यू वाले लाईटवेट ग्लासेज़ पहनने होते हैं और रोबोटिक सिस्टम को रिमोट से नियन्त्रित करने के लिए मैगनेटिक सेंसर–आधारित कंट्रोल का इस्तेमाल करना होता है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि टेलीसर्जरी की इस छोटी युनिट को कहीं भी रखा जा सकता है।"

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल के मिशन के अनुसार चिकित्सकीय उत्कृष्टता को सुलभ बनाने के उद्देश्य से विकसित एसएसआईआई मंत्रासन टीएससी के ज़रिए सर्जन भौतिक सीमाओं से परे रोबोटिक कौशल का इस्तेमाल कर सकते है और जीवनरक्षक प्रक्रियाओं को दुनिया के किसी भी कोने में सुलभ बना सकते हैं। मंत्रासन, टीएससी को दक्षता, आराम और कनेक्टिविटी के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके कॉम्पैक्ट अर्गोनोमिक फुटप्रिन्ट के ज़रिए सर्जन बिना ओटी के भी रिमोट प्रक्रिया को अंजाम दे सकता है। मैग्नीफाइड 3डी एचडी विज़ुअलाइज़ेशन के साथ सर्जन का अनुभव और भी बेहतर हो जाता है और रोबोटिक सर्जरी में सटीक परिणाम मिलते हैं। मंत्रासन, टीएससी दिसम्बर 2025 से भारत में उपलब्ध होगा और इसके बाद दुनिया में इसका विस्तार किया जाएगा।

भाजपा जम्मू-कश्मीर ने श्रीनगर में कार्यक्रमों के साथ वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू और कश्मीर ने श्रीनगर के राजबाग में एक कार्यक्रम आयोजित कर श्वंदे मातरमश की 150वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर जम्मू–कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल और जम्मू–कश्मीर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र रैना मुख्य अतिथि थे।

अन्य प्रमुख नेताओं में राज्य उपाध्यक्ष डॉ. शहनाज गनी, सचिव आरिफ राजा, सोशल मीडिया सह–प्रभारी और कार्यक्रम प्रभारी सज्जाद रैना, और मीडिया प्रभारी कश्मीर, एडवोकेट साजिद यूसुफ शाह, राज्य प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर और साहिल बशीर भट, जिला अध्यक्ष श्रीनगर शेख सलमान के साथ–साथ अन्य जिला अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए अशोक कौल ने कहा, ष्देश की आज़ादी के आदर्श वाक्य श्वंदे मातरमश ने लाखों क्रांतिकारियों को प्रेरित किया। कई स्वतंत्रता सेनानी श्वंदे मातरमश का नारा लगाते हुए फाँसी पर चढ़ गए और विदेशी आक्रांताओं के अत्याचार सहे। यह अंग्रेजों से भारत की मुक्ति का एक शक्तिशाली मंत्र बनकर उभरा।ष

कौल ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया, और राष्ट्रीय गीत श्वंदे मातरमश की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक समर्पित पोर्टल भी लॉन्च किया।

उन्होंने आगे कहा कि इस समारोह में मुख्य कार्यक्रम के साथ–साथ, सार्वजनिक स्थलों पर श्वंदे मातरमश के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन हुआ, जिसमें समाज के सभी वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं आईजीआई स्टेडियम में आयोजित सामूहिक गायन कार्यक्रम में भाग लिया, जो इस दिन से जुड़े भावनात्मक और देशभक्तिपूर्ण उत्साह को दर्शाता है।

पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया को संबोधित करते हुए, रविंदर रैना ने जोश के साथ एकजुटता का परिचय देते हुए, ष्वंदे मातरम!ष का उद्घोष किया।

वोट चोरी के खिलाफ सतर्क रहें, इंडी गठबंधन का समर्थन करें : टोनी ने बडगाम, नगरोटा के मतदाताओं से अपील की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : वरिष्ठ कांग्रेस नेता और डीडीसी सुचेतगढ़, तरनजीत सिंह टोनी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआइ) पर तीखा हमला किया है, और उन पर मतदाता सूचियों में व्यापक हेरफेर और बड़े पैमाने पर चुनावी धोखाधड़ी के माध्यम से भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को व्यवस्थित रूप से नष्ट करने का आरोप लगाया है।

टोनी ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा हरियाणा की मतदाता सूची के हालिया खुलासे ने एक गहरी साज़िश का पर्दाफ़ाश कर दिया है, जिसमें सत्ताधारी पार्टी को फ़ायदा पहुँचाने के लिए जानबूझकर फ़र्ज़ी और नकली मतदाताओं को शामिल किया गया है। टोनी ने आरोप लगाया, ष्राहुल गांधी के निष्कर्षों ने उजागर किया है कि एक ही मतदाता कई निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकृत हैकृयहाँ तक कि एक ब्राज़ीलियाई मॉडल भी कई बार भारतीय मतदाता के रूप में दिखाई दी! यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है, बल्कि एक भी वोट डाले जाने से पहले चुनाव चुराने की एक सुनियोजित योजना है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व वाले चुनाव आयोग पर एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था के बजाय भाजपा की राजनीतिक शाखा के रूप में काम करने का आरोप लगाया। टोनी ने कहा, ष्चुनाव आयोग, जो कभी भारतीय लोकतंत्र का गौरव था, अब उसे नष्ट करने की कोशिश करने वालों के हाथों का औज़ार बन गया है। मतपत्र की पवित्रता की रक्षा करने के बजाय, यह सत्तारूढ़ दल के धोखेबाजों को संरक्षण दे रहा है।ष

चुनाव कार्यक्रम में संदिग्ध बदलावों पर प्रकाश डालते हुए, टोनी ने कहा कि पहले पूरे देश में एक ही दिन में चुनाव होते थे, लेकिन अब फर्जी मतदाता डेटा में हेरफेर और सुधार करने के लिए उन्हें राज्य–दर–राज्य अलग–अलग चरणों में कराया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, यह चरणबद्ध तरीके से मतदान की व्यवस्था करने का मामला नहीं है – बल्कि फर्जी वोटों को मैनेज करने और भाजपा के पक्ष में संख्याबल बढ़ाने का मामला है।

यह लोकतंत्र का मज़ाक है। टोनी ने भाजपा की भी आलोचना की और कहा कि वह संविधान, कानून के शासन और जनादेश के प्रति आदतन अनादर करती है। उन्होंने कहा, भाजपा अब कोई राजनीतिक दल नहीं रही – यह वोट लूटने वाला सिंडिकेट, लोकतंत्र का डकैत और भारत की मूल अवधारणा के साथ गद्दारी है। मतदाताओं को गढ़कर, वे असली नागरिकों की आवाज़ को मिटा रहे हैं और उसकी जगह नकली पहचानें थोप रहे हैं।

जीडीसी डोडा ने देशभक्ति के उत्साह के साथ "वंदे मातरम" की 150वीं वर्षगांठ मनाई

सबका जम्मू कश्मीर

डोडा, : राजकीय डिग्री कॉलेज डोडा ने अपनी एनएसएस इकाई के सहयोग से राष्ट्रीय गीत ष्वंदे मातरमष की 150वीं वर्षगांठ उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाई।

यह समारोह भारत की सांस्कृतिक पहचान और बंकिम चंद्र चटर्जी की शाश्वत विरासत को श्रद्धांजलि थी, जिनकी यह प्रतिष्ठित रचना राष्ट्र के स्वतंत्रता आंदोलन का नारा बन गई।

कार्यक्रम की शुरुआत एक शपथ समारोह से हुई, जहाँ सभी शिक्षक और गैर–शिक्षण कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और मातृभूमि के प्रति सम्मान के आदर्शों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

वंदे मातरम के सामूहिक गायन ने परिसर में गर्व की गहरी भावना भर दी और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए बलिदानों के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा की भावनाएँ जागृत कीं।

इस अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य डॉ. जावेद इकबाल ने इस बात पर जोर दिया कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं है, बल्कि भारत की भावना की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति है, जो भक्ति, साहस और एकता का प्रतीक है। कार्यक्रम देशभक्ति और सामूहिक सद्भाव के माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने राष्ट्र के प्रति प्रेम, सम्मान और सेवा के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

जेकेएसटीडी ने जम्मू में जीएसटी प्राइम एनालिटिक्स टूल, ई–वे पोर्टल पर एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू और कश्मीर राज्य कर विभाग (जेकेएसटीडी) ने आज यहां आबकारी और कराधान परिसर में विभाग के अधिकारियों के लिए जीएसटी प्राइम एनालिटिक्स टूल और ई–वे पोर्टल पर एक व्यापक एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला में ई–वे बिल और जीएसटी प्राइम पोर्टल के वैज्ञानिक निदेशक पी.वी. भट्ट ने भाग लिया, जिन्होंने जीएसटी प्राइम एनालिटिक्स टूल और ई–वे पोर्टल की उन्नत विशेषताओं और व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर एक व्यावहारिक सत्र दिया। उन्होंने कर प्रशासन के लिए अनुपालन को सुव्यवस्थित करने, डेटा विश्लेषण को बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार करने के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न उपयोगिता उपकरणों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने भाग लेने वाले अधिकारियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का भी समाधान किया तथा तकनीकी और प्रक्रियात्मक पहलुओं पर स्पष्टता प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य कर विभाग के आयुक्त पी.के.भट ने की। अपने संबा. `धन में उन्होंने संसाधन व्यक्ति और प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी के लिए सराहना की। राज्य कर (जम्मू) की अतिरिक्त आयुक्त नम्रता डोगरा ने अपने स्वागत भाषण में आधुनिक कर प्रशासन में डिजिटल उपकरणों के महत्व और क्षमता निर्माण के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

दोनों प्रभागों के प्रवर्तन विंग के सभी उपायुक्त, सहायक आयुक्त, राज्य कर अधिकारी (एसटीओ), जिनमें बाहरी स्थानों के अधिकारी भी शामिल थे, ने वर्चुअल मोड के माध्यम से कार्यशाला में भाग लिया, जिससे व्यापक पहुंच और समावेशिता सुनिश्चित हुई।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

विश्वास केंद्रित प्रशासन

संपादक – राज कुमार

प्रत्येक लोकतंत्र में, राज्य और नागरिक के बीच का संबंध शक्ति, सूचना और विश्वास के एक नाजुक संत.ुलन से आकार लेता है। सामूहिक इच्छाशक्ति के संस्थागत अवतार के रूप में, राज्य, अधिकार, संसाधन और आँकड़ों का प्रयोग करता है। लोकतंत्र में कथित संप्रभुता के रूप में, नागरिक अक्सर प्राप्त करने वाले पक्ष में खड़ा होता है ् कम जानकारी प्राप्त करता है, कम सुनता है, और कम सशक्त होता है। शक्ति और सूचना का यह विषमता भारत सहित अधिकांश देशों में शासन की सबसे स्थायी चुनौतियों में से एक बनी हुई है। चाहे कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच हो, न्याय की तलाश हो, या नियामक संस्थाओं से जुड़ना हो, नागरिकों को अक्सर एक ऐसी व्यवस्था का सामना करना पड़ता है जो अपारदर्शी, प्रक्रियात्मक और दूरदर्शी प्रतीत होती है। शासन की भाषा अभी भी अक्सर सहयोग के बजाय नियंत्रण की होती है। हालाँकि सूचना का अधिकार अधि.नियम और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (क्च्) के विकास जैसे सुधारों ने इस असंतुलन को कम करना शुरू कर दिया है, लेकिन गहरा परिवर्तन केवल व्यवस्थाओं में ही नहीं, बल्कि शासन–कौशल में भी निहित है ् कि सरकार अपने नागरिकों को कैसे देखती है, और बदले में नागरिक, राज्य का अनुभव कैसे करते हैं। औपनिवेशिक काल में डिज़ाइन की गई भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था, आदेश, अनुपालन और पदानुक्रम के इर्द–गिर्द बुनी गई थी। इसका उद्देश्य लोगों को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि उन पर शासन करना था। दशकों के लोकतांत्रिक विकास के बावजूद, उस वास्तुकला के निशान नौकरशाही संस्कृति में, निर्णय लेने की अस्पष्टता में, और नीति निर्माताओं और जनता के बीच संरचनात्मक दूरी में बने हुए हैं। आज, हालांकि, भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। शासन में एक सहभागी लोकाचार का उदय ् जो जनभागीदारी या लोगों की भागीदारी के सिद्धांत में समाहित है ् उस विरासत की एक मौलिक पुनर्कल्पना का प्रतिनिधित्व करता है। यह ष्लोगों के लिए शासनष से ष्लोगों के साथ शासनष में बदलाव का संकेत देता है। जनभागीदारी, जब सार्थक रूप से अंतर्निहित होती है, तो नागरिक को एक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता से एक सक्रिय भागीदार में बदल देती है ् जो केवल राज्य द्वारा प्रदान की गई सेवाओं का उपभोग करने के बजाय सार्वजनिक परिणामों का सह–निर्माण करता है। यह सहभागी अभिविन्यास प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त ष्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासष के व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण में गहरी अभिव्यक्ति पाता है। ये चार आयाम – साझेदारी, विकास, विश्वास और सामूहिक प्रयास – एक ऐसे दर्शन को समाहित करते हैं जो नागरिक और राज्य के बीच सत्ता की विषमता को सीधे चुनौती देता है। ष्सबका साथष केवल समावेशिता के बारे में नहीं है; यह साझा एजेंसी के बारे में है। ष्सबका विकासष केवल कल्याण का विस्तार नहीं है, बल्कि अवसरों का लोकतंत्रीकरण है। ष्सबका विश्वासष की मांग है कि राज्य पारदर्शिता और निष्पक्षता के माध्यम से नागरिक विश्वास अर्जित करे और बनाए रखे। और ष्सबका प्रयासष विकास की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक तक बढ़ाता है, यह स्वीकार करते हुए कि शासन एकालाप नहीं हो सकता। समान रूप से परिवर्तनकारी है ष्नागरिक देवो भवष का विचार – नागरिक को एक दिव्य उपस्थिति के समान मानना। यह सार्वजनिक सेवा को सम्मान और सहानुभूति पर आधारित कर्तव्य के रूप में पुनर्परिभाषित करता है। नौकरशाही संस्कृति में, इसका अर्थ है अनुपालन–संचालित मानसिकता से सुविधा और करुणा की ओर बदलाव। और इस पुनर्विन्यास के केंद्र में अंत्योदय है – न केवल कुशल, बल्कि समतामूलक भी। यह राज्य की दृष्टि उन लोगों की ओर केंद्रित करता है जो पहुँच और दृश्यता के हाशिये पर रहते हैं, जहाँ शक्ति और सूचना की विषमताएँ सबसे तीव्र हैं। राज्य और नागरिक के बीच विषमता को पाटने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक पारदर्शिता और तकनीकी सशक्तिकरण है। भारत की डिजिटल शासन क्रांति ने वह बनाया है जिसे अब दुनिया ष्डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचनाष कहती है ् एक ऐसा ढाँचा जिसमें आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर और ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (व्छक्ब्) शामिल हैं। इन प्लेटफार्मों ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण को सक्षम किया है, बिचौलियों को कम किया है, और नागरिकों को सेवाओं और अधिकारों तक सत्यापन योग्य पहुँच प्रदान की है। हालाँकि, अगला मोर्चा केवल डिजिटल दक्षता नहीं, बल्कि डिजिटल लोकतंत्र है ् प्रौद्योगिकी का उपयोग करके फीडबैक लूप, सहभागी डैशबोर्ड और खुले डेटा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना जो शासन को स्वयं लोगों द्वारा ऑडिट करने योग्य बनाते हैं। जब नागरिक स्थानीय खर्च की निगरानी कर सकते हैं, योजना कार्यान्वयन पर नज़र रख सकते हैं, और वास्तविक समय में इनपुट प्रदान कर सकते हैं, तो सूचना पर राज्य का एकाधिकार नहीं रह जाता। यह एक साझा संसाधन बन जाता है ् जवाबदेही का आधार। फिर भी, विश्वास समरूपता के बिना केवल सूचना समरूपता अपर्याप्त है। शासन, अपने मूल में, विश्वास का एक रिश्ता है। राज्य को अपने नागरिकों पर ज़िम्मेदार भागीदार के रूप में भरोसा करना चाहिए; बदले में, नागरिकों को राज्य को एक प्रवर्तक के रूप में देखना चाहिए, न कि एक द्वारपाल के रूप में।

भारत के भविष्य को लेकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की दृष्टि

नेताजी की विचारधारा और व्यक्तित्व के बारे में कई व्याख्याएं उपलब्ध हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का मानना है कि हिंदू आध्यात्मिकता ने उनके व्यस्क जीवन के दौरान उनके राजनीतिक और सामाजिक विचारों का आवश्यक हिस्सा बनाया, हालांकि इसमें कट्टरता या रूढ़िवाद की

प्रह्लाद सबनानी

जब नेताजी सुभाषचंद्र बोस के विचारों को भारत के तात्कालीन समकक्ष राजनैतिक नेताओं ने स्वीकार नहीं किया तब नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने भारत के भविष्य को लेकर अपनी दूरदृष्टि को धरातल पर लाने के उद्देश्य से अपने कार्य को न केवल भारत बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों के बीच में फैलाने का प्रयास किया। उन्होंने इन देशों में निवासरत भारतीयों को एकत्रित कर उन्हें सैनिक प्रशिक्षण देना प्रारम्भ किया और इस कार्य में उन्हें अपार सफलता भी मिली क्योंकि 29 दिसम्बर 1943 को अंडमान द्वीप की राजधानी पोर्टब्लेयर में नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहरा दिया था। भारतीय इतिहास में भारत भूमि का यह हिस्सा प्रथम आजाद भूभाग माना जाता है। हालांकि, भारत को आजादी मिलने की घोषणा 15 अगस्त 1947 को हुई थी। नेताजी के रूप में लोकप्रिय सुभाष चंद्र बोस एक प्रखर राष्ट्रवादी, एक प्रभावी वक्ता, एक कुशल संगठनकर्ता, एक विद्रो.ही देशभक्त और भारतीय इतिहास के सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उन्हें ब्रिटिश सरकार के खिलाफ निर्णायक युद्ध लड़ने और 21 अक्तूबर 1943 को एक स्वतंत्र सरकार बनाने का श्रेय दिया जाता है। वर्ष 1927 में नेताजी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया और उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता के लिए कांग्रेस के साथ काम किया, लेकिन समय के साथ कांग्रेस में उपजी गुटबाजी और गांधी जी के साथ वैचारिक मतभेदों के कारण वह कांग्रेस से अलग हो गए और एक स्वतंत्र संगठन के माध्यम से ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध सशस्त्र स्वतंत्रता संग्राम लड़ा। नेताजी भारतीय इतिहास में अपने समय के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक थे। वह असीम देशभक्त और भारत के विकास और भविष्य के बारे में अत्यंत कृतसंकल्प थे। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को बंगाल प्रांत के कटक, उड़ीसा संभाग में प्रभावती दत्त बोस और अधिवक्ता जानकीनाथ बोस के एक बंगाली कायस्थ परिवार हुआ था। उनके प्रारंभिक प्रभावों में उनके हेडमास्टर, बेनी माधव दास और स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाएं शामिल थीं। बाद में 15 वर्षीय बोस में आध्यात्मिक चेतना जग गई थी।

नेताजी की विचारधारा और व्यक्तित्व के बारे में कई व्याख्याएं उपलब्ध हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का मानना है कि हिंदू आध्यात्मिकता ने उनके व्यस्क जीवन के दौरान उनके राजनीतिक और सामाजिक विचारों का आवश्यक हिस्सा बनाया, हालांकि इसमें कट्टरता या रूढ़िवाद की भावना नहीं थी। खुद को समाजवादी कहने वाले नेताजी का मानना था कि भारत में समाजवाद का मूल स्वामी विवेकानंद के विचार है। आपका मानना था कि 'भगवदगीता' अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है। सार्वभौमिकता पर स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं, उनके राष्ट्रवादी विचारों और सामाजिक सेवा और सुधार पर उनके जोर ने नेताजी को उनके बहुत छोटे दिनों से प्रेरित किया था। इस संदर्भ में नेताजी के कई उद्धरण आज भी याद किए जाते हैं। "मात्र अडिग राष्ट्रवाद और पूर्ण न्याय और निष्पक्षता के आधार पर ही भारतीय स्वतंत्र सेना का निर्माण किया जा सकता है।"; "यह अकेला रक्त है जो स्वतंत्रता की कीमत चुका सकता है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा!"; वर्ष 1939 की शुरुआत में उनके द्वारा गढ़ा गया नारा था – ष्ब्रिटेन की कठिनाई भारत का अवसर है।श्

नेताजी ने अपने प्रारम्भिक जीवनकाल से ही अपने चिंतन और अपनी कार्यशैली से भारत को स्वाधीन और सशक्त हिंदू राष्ट्र बनाने की दिशा मे कदम बढाया था। भविष्य दृष्टा और राजनीतिज्ञ होने के नाते नेताजी का विश्वास था कि राष्ट्र जागरण और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रियाओ को साथ लेकर ही आगे बढ़ना चाहिए। नेताजी की स्पष्ट सोच थी कि स्वतंत्र भारत, सार्वभौम संप्रभुता युक्त शक्तिशाली और विश्ववंद्य होना चाहिये तथा सदियो तक पुनःपरतंत्रता न आये, ऐसे प्रयास राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त होने के साथ ही प्रारम्भ होने चाहिए और इसीलिए भारत के नागरिकों में राष्ट्रीयता का भाव जगाना चाहिए। स्वाधीन भारत की सुरक्षा के लिये नेताजी सेना के तीनो अंगों, थल सेना, जल सेना और नभ सेना का आधुनिक ढंग से निर्माण और विकास करना चाहते थे। जब वे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दूसरी बार जर्मनी गये थे तब नेताजी ने यूरोप के कई देशों का दौरा करके आधुनिक युद्ध प्रणाली का गहराई के साथ अध्ययन किया, इतना ही नही उन्होने जर्मनी मे युद्ध बंदियों और स्वतंत्र नागरिको की जो आजाद हिंद फौज बनाई, उसे पूर्ण रूप से आधुनिक अस्त्र–शस्त्रो से सुसज्जित किया और उसे इस प्रकार का प्रशिक्षण दिलाया कि वह संसार की सर्व शक्तिमान सेनाओं के समकक्ष मानी जाने लगी। आजाद हिंद फौज दुनिया के फौजी इतिहास का एक सफल अध्याय बन गया।

ब्रिटिश शासन काल मे भारत के तात्कालिक राजनैतिक नेतृत्व के पास भारत के आर्थिक विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक ताने बाने के सम्बंध में अपनी कोई दूरदृष्टि नहीं थी। येन केन प्रकारेण केवल राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करना एकमेव लक्ष्य था।

ऐसे समय में भारत में देश का शासन.तंत्र ब्रिटिशों के हाथों में था। अंग्रेजी शासकों की इच्छा अनुसार ही भारत में शासन चलता था। इसलिये, तत्कालीन ब्रिटिश शासकों की राजनीति की पृष्ठभूमि का उद्देश्य एक ही था कि भारत का अधिक से अधिक शोषण किया जाये एवं भारत की जनता को गुलाम बनाकर, अज्ञानता के अंधेरे मे रखकर, अधिक से अधिक समय तक अपना अधिकार जमाकर रखा जाए। ताकि, भारत सदा सदा के लिये गुलामी की जंजीरो मे जकडा रहे, स्वतंत्र होने का विचार भी न कर सके। परंतु, ऐसी मनोवृत्ती होने के उपरांत भी ब्रिटिशों को भारत से खदेड़ दिया गया। परंतु ब्रिटिश शासकों ने कूटनीतिक चाल चलते हुए भारत का विभाजन हिंदुस्तान एवं पाकिस्तान के रूप में कर दिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना के हाथों मे राजनीति की डोर आ गई। नेताजी के क्रांतिकारी विचारों एवं दूरदृष्टि का उपयोग लगभग नहीं के बराबर ही हो पाया था। जबकि नेताजी के विचारों में दूरदर्शिता थी एवं उनकी भारत के बारे में सोच बहुत ऊंची थी। नेताजी ने भारत के भविष्य के बारे में बहुत उल्लेखनीय योजनाओं पर अपने विचार विकसित कर लिए थे एवं आगे आने वाले समय के लिए इस संदर्भ में योजनाएं भी बना ली थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व भारत मे जगह–जगह पर अनेक छोटी छोटी रियासतें थी। सभी राजे महाराजे अपनी राज्य सीमा के अंदर राज्य चलाना और कमजोर राज्यों पर आक्रमण करके उसे अपने राज्य में मिला लेना ही श्रेयस्कर कार्य मानते थे। राज्य का विस्तार करना, यही राजतंत्र की शासन प्रणाली थी, पूरा भारत इसी प्रणाली का अभ्यस्त था, प्रजातंत्र की जानकारी भारतीयों के पास नहीं थी। अतः प्रजातंत्र का विषय भारतीयों के लिए नया था।

अंग्रेजों के शासन काल में ऐसा आभास दिया गया था कि भारत में प्रजातंत्र अंग्रेजों की देन है। अंग्रेज ठहरे कूटनीतिज्ञ और स्वार्थी वे भारत को स्वतंत्र करना चाहते ही नही थे। इसीलिये भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति पर, ब्रिटिश, भारतीय सत्ताधारियो को प्रजातंत्र में कूटनीति से कैसे राज्य करना, लोभ, छलावा और स्वार्थ का पाठ पढ़ाकर, भारत का विभाजन कर, प्रजातंत्र की राजनीति सिखाकर ही भारत से गये थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात दुर्भाग्य से भारत का राजनैतिक नेतृत्व नेताजी जैसे राष्ट्रवादी ताकतों के स्थान पर ऐसे लोगा.ें के हाथों में आया जिन्होंने अंग्रेजों द्वारा चलायी जा रही नीतियों का अनुसरण करना ही उचित समझा। भारतीय सनातन संस्कृति के अनुपालन को बढ़ावा ही नहीं दिया गया जबकि उस समय भी भारत में हिंदू बहुसंख्यक थे। प्रजातंत्र के नाम पर अल्पसंख्यकों के हितों को सुरक्षित रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। अंडमान एक स्वतंत्र द्वीप समूह था इसका इतिहास भी बहुत लंबा है।

अभी अभी मोदी सरकार ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह का नाम बदलकर श्री विजय पुरम रख दिया है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के समय अंडमान द्वीप भारत के ही हिस्से मे आये थे और अंडमान द्वीप पर भारत का अधिपत्य हो यह स्वीकार करने की नेहरू की बिलकुल इच्छा नही थी।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

डोगरा डिग्री कॉलेज ने "ईक्यू, आईक्यू और व्यक्तित्व विकास" पर अतिथि व्याख्यान- सह-कार्यशाला का आयोजन किया

सबका जम्मू कश्मीर

कांग्रेस ओबीसी और एससी विभाग के नेताओं ने गांधी नगर में बैठक की जम्मू–कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के कांग्रेस पार्टी के ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) और एससी (अनुसू. चित जाति) विभागों के वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक जम्मू के गांधी नगर में हुई। बैठक में कई प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जिनमें मदन लाल चलोत्रा, अध्यक्ष ओबीसी विभाग जेएंडके पीसीसी; शमशेर भगत, उपाध्यक्ष एससी विभाग जेएंडके पीसीसी; दर्शन मेहरा, महासचिव ओबीसी विभाग जेएंडके पीसीसी; अमित मेहरा, राज्य समन्वयक ओबीसी विभाग जेएंडके पीसीसी; दीवान चंद, अध्यक्ष एससी विभाग जिला जम्मू; प्रेम सागर, संयुक्त समन्वयक ओबीसी विभाग जेएंडके पीसीसी; वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओम प्रकाश और जनरैल सिंह के साथ। बैठक जम्मू–कश्मीर में ओबीसी और एससी समुदायों के सामने आने वाली विभिन्न सामाजिक–आर्थिक और विकासात्मक चुनौतियों पर विचार–विमर्श करने के लिए बुलाई गई थी

मदन लाल चलोत्रा ने अपने संबोधन में विभिन्न विभागों में वर्षों से बिना नियमितीकरण के कार्यरत दैनिक वेतनभोगी और संविदा कर्मचारियों का मुद्दा ज़ोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने माँग की कि इन कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारी बनाया जाए और नियमित सरकारी कर्मचारियों के समान अधिकार दिए जाएँ, जिनमें सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन लाभ भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनके योगदान की अनदेखी करते हुए उन्हें नौकरी की सुरक्षा और सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों से वंचित करना सामाजिक अन्याय है। चलोत्रा ने सरकार से सभी दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने और उनके लिए सम्मानजनक रोज़गार की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक नीति लागू करने का आग्रह किया।

अनुसूचित जाति विभाग के उपाध्यक्ष शमशेर भगत ने जम्मू–कश्मीर में युवाओं में बेरोजगारी की उच्च दर पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उद्योगों की सीमित उपस्थिति और संघर्ष–ग्रस्त अर्थव्यवस्था के कारण, युवा, विशेष रूप से अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के, स्थायी आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भगत ने हाशिए पर पड़े युवाओं के उत्थान के लिए औद्योगिक विस्तार, व्यावसायिक प्रशिक्षण और निजी क्षेत्र की नौकरियों में आरक्षण की माँग की।

ओबीसी विभाग के महासचिव दर्शन मेहरा ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक असमान पहुँच के मुद्दे पर प्रकाश डाला, खासकर ग्रामीण और संघर्ष–ग्रस्त क्षेत्रों में। उन्होंने बताया कि सरकारी योजनाओं के बावजूद, ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच का अंतर अभी भी बहुत बड़ा है। मेहरा ने प्रशासन से आग्रह किया कि वह हर बच्चे के लिए, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, बेहतर बुनियादी ढाँचा, शिक्षकों की उपलब्धता और समान शिक्षा के अवसर सुनिश्चित करे।

डीपीएस ने एमयूएन 2025 के तीसरे संस्करण की मेजबानी की : संवाद, कूटनीति और युवा नेतृत्व का उत्सव

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मूरू दिल्ली पब्लिक स्कूल जम्मू ने 6 से 8 नवंबर 2025 तक डीपीएस जम्मू मॉडल यूनाइटेड नेशंस (डीपीएसश्जेएमयूएन 2025) के तीसरे संस्करण का गौरवपूर्वक आयोजन किया, जिसने विश्व स्तर पर जागरूक, सुवक्ता और करुणामय युवा नेताओं को विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। डीपीएस नाग. बनी के छात्रों सहित कक्षा 9 से 12 तक के 240 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन ने बहस, बातचीत और वैश्विक नागरिकता के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया। ष्कालत करें। सुधारें। संरेखित करेंष् विषय पर आधारित, छात्रों ने तात्कालिक विश्व मुद्दों पर विचार–विमर्श किया और दृढ़ विश्वास, करुणा और आदर्शवाद तथा यथार्थवाद के बीच संतुलन बनाना सीखा।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व महासचिव वैदिक टैगर और महानिदेशक मानस्विन महाजन ने सुश्री आरती शर्मा के मार्गदर्शन में किया, जिनके मार्गदर्शन ने सम्मेलन को युवा कूटनीति के लिए एक गतिशील क्षेत्र में आकार दिया। वैदिक टैगर (महासचिव) द्य मानस्विन महाजन (महा. निदेशक) द्य अयन भोला (उप महासचिव) द्य काश्वी अरोड़ा (उप महानिदेशक) द्य स्पर्श बख्शी (अध्यक्ष)

मोमिन मलिक और आलोक गुप्ता के नेतृत्व वाली आयोजन समिति ने 35 समर्पित सदस्यों के सहयोग से निर्बाध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। अश्मिका (पत्रकारिता प्रमुख) और नक्षत्रिका गुप्ता (फोटोग्राफी प्रमुख) की अध्यक्षता वाली अंतर्राष्ट्रीय प्रेस टीम ने व्यावहारिक कवरेज और दृश्यों के माध्यम से कार्यक्रम के हर मुख्य आकर्षण को कैद किया। कार्यकारी बोर्डरू कात्यायनी पंडोत्रा (यूएनएचआरसी), हिमांशु सुम्ब्रिया (एआईपीपीएम), समन्यु शर्मा और देवव्रत शर्मा (यूएनएससी), गुरबानी कौर (लोकसभा), अदा महाजन (आईपीसी)।

अवर महासचिवरू मानिनी शर्मा, मंशा मंसूर, मान्या तरगोत्रा, आयत फातिमा, अक्षत अरोड़ा, प्रांजल गुप्ता, परी शर्मा, मुग्धा गुप्ता। अर्शिया तलवार और तनिष्का शर्मा के नेतृत्व में सार्वजनिक संवाद दल ने अंतर–समिति संचार को सुगम बनाया और परिषदों में सहयोग को प्रोत्साहित किया। सम्मेलन की शुरुआत दीप प्रज्वलन, गणमान्य व्यक्तियों को गुलदस्ते भेंट करने और एक सुंदर कृष्ण वंदना के साथ हुई।

महानिदेशक और महासचिव के संबोधनों के बाद, प्रधानाचार्या सुश्री रुचि छाबड़ा ने एक प्रेरक भाषण दिया, जिसके साथ सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन हुआ। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे डन्छ छात्रों को आलोचनात्मक रूप से सोचने, आत्मविश्वास से बोलने और सहानुभूति के साथ नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाते हैं। समारोह का समापन राष्ट्रगान के भावपूर्ण वाद्य वादन के साथ हुआ। न्छभ्त्ब्रू सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि – हुरैया शब्बीर भट (नेपाल); उच्च प्रशस्ति – राघव जामवाल (इज़राइल); सम्माननीय उल्लेख – रिधम पाल सिंह (स्वीडन)।

एआईपीपीएमरू सर्वश्रेष्ठ – नमन पंडोह (एस. जयशंकर); उच्च प्रशस्ति – प्रक्षित शर्मा (राघव चड्ढा); माननीय – प्रणव दफारा (नरेंद्र मोदी), यूएनएससीरू सर्वश्रेष्ठ – कुँवर सिंह (फ्रांस); उच्च – शॉनिश वैद (कनाडा); माननीय – दृष्टि सिंह (भारत), लोकसभारू सर्वश्रेष्ठ – बवलीन कौर (राहुल गांधी); उच्च – शांभवी खेर (अमित शाह); माननीय – विपुलब शर्मा (शशि थरूर), आईपीसीरू सर्वश्रेष्ठ – रितेश चौधरी (ध्रुव राठी); उच्च – अभ्युदय (सुधीर चौधरी); माननीय – सिद्धार्थ (सौरभ द्विवेदी)

अंतर्राष्ट्रीय प्रेसरू सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफर – समर्थ निश्चल और हुजैफ मन्हास; सर्वश्रेष्ठ पत्रकार – प्रद्युम्न गुप्ता। सम्मेलन का समापन कोर सचिवालय, सुश्री आरती शर्मा, प्रिंसिपल सुश्री रुचि छाबड़ा, उप–प्रधानाचार्य सुश्री मीनू गुप्ता और उप प्रधानाध्यापक श्री उमेश कुमार शर्मा के विचारों के साथ हुआ। सुश्री नेहा चौधरी (शिक्षक प्रभारी, डीपीएस नागबनी) ने एक विचारशील समीक्षा प्रस्तुत की, जिसके बाद एक हाइलाइट वीडियो और मोमिन मलिक और आलोक गुप्ता द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

खुएहामी ने दुखद अग्निकांड के बाद देशव्यापी समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू और कश्मीर छात्र संघ (जेकेएसए) के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खुहामी ने उन सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है जिन्होंने बांदीपोरा के वाटापोरा में उनके आवासीय घर को पूरी तरह से नष्ट करने वाली विनाशकारी आग की घटना के बाद समर्थन, एकजुटता और प्रार्थना की। जारी एक बयान में, खुहामी ने कहा, मैं देश भर से सहानुभूति, प्रार्थनाओं और समर्थन के लिए बहुत आभारी हूं। इस व्यक्तिगत क्षति के क्षण में, आपकी दया और करुणा मेरे और मेरे परिवार के लिए अपार शक्ति का स्रोत रही है। उन्होंने कहा कि वह संसद सदस्यों, मुख्यमंत्रियों, पूर्व मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, मित्रों, विधायकों, नागरिक समाज के सदस्यों, चिंतित नागरिकों, निजी स्कूल मालिक. ों और देश भर के अनगिनत शुभचिंतकों सहित सभी क्षेत्रों के सभी लोगों के आभारी हैं।

उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं, कांग्रेस, भाजपा, टीएमसी, शिवसेना, एआईएमआईएम और राजद के नेताओं, बांदीपो. `रा के पूर्व मंत्री और विधायक का विशेष आभार व्यक्त किया आईएएस अधिकारी, आईपीएस अधिकारी, डीजीपी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ, जामिया मिलिया इस्लामिया पूर्व छात्र संघ; संबंधित नागरिक समूह; पत्रकार संघ; जम्मू और कश्मीर छात्र संघ; गैर सरकारी संगठन और मानवीय संगठन; मीरवाइज कश्मीर। धार्मिक नेता; व्यापारी महासंघ; शिक्षा; एनएसयूआई; आइसा; एसएफआई; गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ी संघ; पेंशनभोगी संघ; और निजी स्कूल संघ और अन्य लोगों को इस कठिन समय के दौरान उनके कॉल, दौरे, संदेश और भावनात्मक समर्थन के लिए धन्यवाद।

खुहमी ने आगे कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों द्वारा दिखाए गए समर्थन और चिंता ने मानवता और सामूहिक करुणा की शक्ति में उनके विश्वास की पुष्टि की। उन्होंने कहा, ष्मेरा आभार व्यक्त करने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं।

रेलवे स्टेशन कठुआ पर जीआरपी की बड़ी कार्रवाई - 7.2 ग्राम चिट्टा सहित एक गिरफ्तार

सबका जम्मू कश्मीर

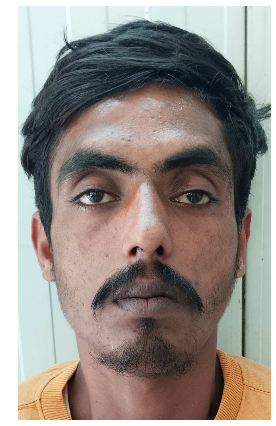

जम्मू : नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस थाना जीआरपी कठुआ की टीम ने रेलवे स्टेशन कठुआ पर एक व्यक्ति को नशीले पदार्थ चिट्टा जैसी सामग्री के साथ गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार लगभग शाम 5:30 बजे पुलिस टीम नियमित जांच के दौरान रेलवे स्टेशन कठुआ के प्लेटफार्म नंबर 1 पर एक संदिग्ध व्यक्ति को घूमते हुए देखा। पूछताछ करने पर उसकी पहचान रोहित सैनी पुत्र नानक चंद निवासी गांव गोविंदसर तहसील व जिला कठुआ के रूप में हुई। उसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 7.2 ग्राम हेरोइन चिट्टा जैसी पदार्थ बरामद की गई।

इस संबंध में पुलिस थाना जीआरपी कठुआ में एनडीपीएस अधि. नियम की धारा 8/21/22 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच एसआई किशोर लाल को सौंपी गई है।

यह कार्रवाई पुलिस टीम द्वारा इंस्पेक्टर अजय एंगोत्रा थाना प्रभारी जीआरपी कठुआ के नेतृत्व में की गई जो मुस्कान साहनी जेकेपीएस एसडीपीओ रेलवे विजयपुर के निकट पर्यवेक्षण में और शैलेंद्र सिंह जेकेपीएस एसएसपी रेलवे जम्मू के समग्र पर्यवेक्षण में संपन्न हुई।

पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है और नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई और तेज की जाएगी।

देश इस समय वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, लेकिन इसके साथ ही यह ऐतिहासिक गीत एक बार फिर सियासी बहस के केंद्र में आ गया है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे राष्ट्रभक्ति का पर्व बता रही है, वहीं कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के साथ कई राज्यों में इसको लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है।

श्रीनगर की एक अदालत ने जन्मतिथि में जालसाजी करने के आरोप में पुलिस उपनिरीक्षक को दोषी ठहराया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : सिटी जज श्रीनगर की अदालत ने जम्मू–कश्मीर पुलिस के एक सब–इंस्पेक्टर को दोषी ठहराया है और उसे विस्तार और पदोन्नति सहित गैरकानूनी सेवा लाभ हासिल करने के लिए अपनी जन्मतिथि में जालसाजी करने के आरोप में तीन साल के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जगद. ीश सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी अतीना के खिलाफ मामला दर्ज किया था। बडगाम में सरकारी रिकॉर्ड में अपनी जन्मतिथि से छेड़छाड़ करने के आरोप में अधिकारी पर मामला दर्ज किया गया है। जाँच के दौरान, अधिकारी के मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र, सत्र 1974, जिसका रोल नंबर 6759 है, को सत्यापन के लिए जम्मू–कश्मीर स्कूल शिक्षा बोर्ड (ठैम्) को भेजा गया। बोस अधिक. ारियों ने इस प्रमाण पत्र के फर्जी और मनगढ़ंत होने की पुष्टि की तथा उनकी वास्तविक जन्मतिथि 10 नवंबर, 1957 प्रमाणित की। हालांकि, आरोपी ने अपने सेवा दस्तावेजों में, जिसमें चरित्र पंजी और मैट्रिकुलेशन रिकॉर्ड भी शामिल है, धोखाधड़ी से इसे 10 नवंबर, 1959 कर दिया, ताकि अवैध रूप से दो साल का सेवा विस्तार और संबंधित लाभ प्राप्त कर सके।

मुकदमे के दौरान, अपराध शाखा ने अभियोजन पक्ष के समर्थन में लगभग सोलह गवाह पेश किए। ग्यारह साल तक चली सुनवाई के बाद, श्रीनगर के सिटी जज अब्दुल बारी ने 68 पृष्ठों के विस्तृत फैसले में, अभियुक्तों को रणबीर दंड संहिता (आरपीसी) की धारा 420, 511 और 468 के तहत दोषी पाया। अदालत ने माना कि अधिकारी ने जानबूझकर अपने आधिकारिक रिकॉर्ड में हेरफेर करके निजी लाभ के लिए अधिकारियों को धोखा दिया था और तदनुसार, उसे तीन साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई और आरपीसी की धारा 420 के साथ 511 के तहत 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

जसरोटिया ने मंगलूर में पुनर्निर्मित आम आदमी पार्टी का उद्घाटन किया पंचायत ने निरंतर विकास का संकल्प लिया

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने आज आयुष्मान भारत योजना के नवनिर्मित और पुनर्निर्मित अस्पताल का लोकार्पण किया। आरोग्य मंगलूर में मंदिर पंचायत , मगलूर पश्चिम, ब्लॉक डिंगा एंब । 11.00 लाख रुपये की लागत वाली इस परियोजना से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि एएएम मंगलूर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के अनुसार प्रमाणित किया गया है, जो समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

समारोह में बीएमओ हीरानगर डॉ. स्वामी सरन, अंजल सहित प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे प्रभारी एएएम मैगलूर , सुनंदा चंदन , जेडएमओ डॉ. सीमा , तहसीलदार डिंगा अम्ब अमित और नायब तहसीलदार डिंगा अम्ब भोपिंदर.मंडल सहित स्थानीय नेता और गणमान्य व्यक्ति प्रधान भाजपा डिंगा राजदूत दीपक शर्मा, किसान मोर्चा गाथी सिंह, सरपंच मगलूर पश्चिम कुलभूषण सिंह, सरपंच मगरूर पूर्व राकेश सरपंच चिल्ख पश्चिम केवल सरपंच कुलदीप गुप्ता, गंधर्ब सिंह, पंच शाम प्रसाद , मुकेश , सतीश , संजीव , सोनू , पंच बिशन इस अवसर पर मघर सिंह, विक्की जसरोटिया , आकाश भी उपस्थित थे। इस पहल से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने और लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने की उम्मीद है।

इस अवसर पर बोलते हुए, जसरोटिया ने जन कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, ष्इस प्रतिष्ठित एएएम केंद्र के नवीनीकरण से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढाँचे में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और मंगलूर के निवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ सुनिश्चित होंगी।ष स्थानीय समुदाय ने इस पहल का स्वागत किया है और सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार के लिए विधायक के अथक प्रयासों के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया है । विधायक जसरोटिया ने अपने समापन भाषण में कहा, ष्मुझे आज यहां नवनिर्मित और पुनर्निर्मित आयुष्मान भारत योजना को सौंपने पर बहुत खुशी हो रही है।ष आरोग्य मंदिर को जनता के लिए समर्पित करना। यह महत्वपूर्ण अवसर हमारे स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और हमारे समुदाय की भलाई के लिए हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर कई लोगों के लिए आशा की किरण रहा है, जिसने ज़रूरतमंदों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की हैं।

दिलों और घरों को जोड़ते हुए : भाजपा महिला मोर्चा निचले अंब में महिला मतदाताओं तक पहुंच रहा है

सबका जम्मू कश्मीर

नगरोटा : भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा के लिए उपचुनाव अभियान की गति को जारी रखते हुए, भाजपा महिला मोर्चा (जम्मू–कश्मीर) ने राज्य अध्यक्ष एडवोकेट नेहा महाजन के गतिशील नेतृत्व में अंब घरोटा मंडल में पंचायत लोअर अंब के बूथ नंबर 66, धर्म खू में एक प्रभावशाली डोर–टू–डोर आउटरीच किया। उनके साथ वरिष्ठ प्रदेश पदाधिकारी पूनम गुप्ता, प्रेरणा नंदा, सुमन रैना और पूनम गुप्ता भी मौजूद थीं, जिन्होंने स्थानीय निवासियों, महिलाओं और युवाओं से सक्रिय रूप से संवाद किया। टीम ने मतदाताओं को आगामी उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा की निर्णायक जीत सुनिश्चित करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करने के लिए प्रेरित किया।

अम्ब घरोटा से सुषमा रानी, स्वीटी देवी, श्रेष्ठा देवी, रेखा रानी और रेखा मन्हास सहित प्रमुख महिला मोर्चा कार्यकर्ता भी मजबूत बूथ–स्तरीय संगठनात्मक एकता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए अभियान में शामिल हुईं।

बातचीत के दौरान, महिला मोर्चा की नेताओं ने युवा और पहली बार मतदान करने वालों को आगे आकर प्रधानमंत्री मोदी के षविकसित भारतष के विजन का समर्थन करने के लिए प्रेरित किया। युवाओं ने भाजपा के नेतृत्व में अपना दृढ़ विश्वास व्यक्त किया और विकास, सुशासन और महिला सशक्तिकरण के लिए अपने वोट देने का संकल्प लिया।

अभियान में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, तथा निवासियों ने भाजपा की समावेशी नीतियों और जमीनी स्तर पर सार्थक बदलाव लाने की देवयानी राणा की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया।

भाजपा महिला मोर्चा ने ष्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासष के संद. `श के साथ नगरोटा निर्वाचन क्षेत्र के हर घर तक पहुंचने के अपने संकल्प की पुष्टि की।

वंदे मातरम का उत्साहपूर्वक जश्न मनाया गया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आज यहां आयोजित एक भव्य समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता आर.एल.कैथ ने उपस्थित जनसमूह को बताया कि प्रतिष्ठित भजन वंदे मातरम एक ऐसा शब्द है जो किसी भी राष्ट्र के लिए एक आदर्श है। मातरम ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम की भावना को प्रज्वलित किया। इसने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध लाखों लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और राष्ट्रीय गौरव एवं सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक के रूप में इसकी स्थायी शक्ति को बनाए रखा।

कैथ ने कहा, ष्वंदे मातरम 1875 में रचा गया था और देखते ही देखते स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया, जिसने बंकिमचंद्र चटर्जी , महात्मा गांधी और सुभाषचंद्र बोस जैसे दिग्गजों को प्रेरित किया। यह भजन क्षेत्रीय, भाषाई और धार्मिक सीमाओं से परे था और मातृभूमि के प्रति प्रेम में एकजुट भारत के मूल भाव को दर्शाता था।ष

कैथ ने आगे कहा कि वंदेमातरम् भारत की धरती, विरासत और लचीलेपन के प्रति एक शाश्वत श्रद्धांजलि है। इसका 150वाँ वर्ष देश के कोने–कोने में चिंतन, कृतज्ञता और नए सिरे से देशभक्ति का क्षण है। उपस्थित सभी लोगा. ` ने वंदेमातरम् की विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और यह सुनिश्चित किया कि इस भजन की भावना पीढ़ियों को प्रेरित करती रहे।

जीडीसी थन्नामंडी ने देशभक्ति गीत वंदे के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम शुरू किया मातरम

सबका जम्मू कश्मीर

थन्नामंडी : गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज थन्नामंडी ने आज भारत के राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन करके एक ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित किया। माताराम , प्रधानाचार्य डॉ. फारूक अहमद के संरक्षण में स्मार्ट क्लासरूम में एक जीवंत और चिंतनशील समारोह के साथ आयोजित किया गया ।

यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी समारोहों के अनुरूप है। मोदी ने आज नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में इस गीत की चिरस्थायी विरासत के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। मातरम , बंकिमचंद्र द्वारा लिखित अक्षय पर चटर्जी नवमी , 7 नवंबर, 1875, पहली बार उनके उपन्यास आनंदमठ में प्रकाशित हुई और बाद में भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक नारा बन गई। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के एक भावपूर्ण गायन से हुई। मातरम , उपस्थित लोगों में एकता और देशभक्ति की भावना का आह्वान करते हुए। प्रो. नज़ाकत इतिहास विभागाध्यक्ष, डॉ. हुसैन ने राष्ट्रवाद पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने इस गीत के ऐतिहासिक महत्व और भारत की सामूहिक चेतना को आकार देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नसीम अहमद, प्रो. सुप्रिया (एनएसएस अधिकारी) और प्रो. अल्ताफ ने कुशलतापूर्वक किया। हुसैन (एएनओ) जिनकी टीम वर्क ने कार्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया।प्रो. रिज़वाना कौसर ने कार्यक्रम की मेजबानी की और प्रो. फ़ातिमा ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने प्राचार्य, संकाय, एनएसएस और एनसीसी स्वयंसेवकों, छात्रों और आयोजन समिति के प्रति उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह उद्घाटन समारोह वंदे मातरम के सम्मान में पूरे वर्ष आयोजित होने वाली शैक्षणिक, सांस्कृतिक और देशभक्ति गतिविधियों की श्रृंखला की शुरुआत का प्रतीक है। माताराम की 150 साल की यात्रा। जीडीसी थन्नामंडी की पहल राष्ट्रीय भावना से मेल खाती है और जागरूक व सक्रिय नागरिकों के पोषण के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है।

कार्यक्रम में डॉ. नज़र सहित कॉलेज के सभी संकाय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति और भागीदारी देखी गई। उल इस्लाम, डॉ. गौहर इकबाल , डॉ. गुलशन रशीद, डॉ. शिराज अहमद, प्रो. जुनैद अहमद, श्री अनुज बाली, प्रो. रूमी डार, प्रो. यास्मीन कोसर , डॉ. नगीना कौसर , डॉ. मोहम्मद अशरीफ , डॉ. शाज़िया पासवाल , डॉ. मीनाक्षी शर्मा और डॉ. अतीक उल रहमान .

जीडीसी ककरयाल ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई मातरम

सबका जम्मू कश्मीर

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर मातरम , राजकीय डिग्री कॉलेज ककरयाल , कटड़ा ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और एनसीओआरडी (नशा) के सहयोग से एक उद्घाटन समारोह और जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया । मुक्त भारत अभियान समन्वय समिति) इकाई द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने और राष्ट्रीय गौरव, सामा. जिक जागरूकता और युवा उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक सप्ताह तक चलने वाली गतिविधियों की श्रृंखला की शुरुआत थी। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रजनी के कुशल मार्गदर्शन में किया गया।

भगत । कार्यक्रम की शुरुआत ष वंदे मातरम ष के गायन से हुई। मातरम् गाकर हॉल को देशभक्ति के जोश से भर दिया । प्रो . मोहम्मद यूनुस सलीम ने उद्घाटन भाषण प्रस्तुत किया, अपने संबोधन में उन्होंने ष वंदे मातरम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एकता और प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में मातरम् की प्रशंसा की और युवाओं में राष्ट्रीय पहचान की भावना को पोषित करने में इसकी स्थायी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने छात्रों को राष्ट्र के प्रति समर्पण और सेवा की भावना को आत्मसात करने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घाटन सत्र के बाद, ष वंदे मातरम विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. हरमीत सिंह ने मातरम् : वह गीत जिसने एक राष्ट्र को जागृत किया व्याख्यान दिया ।

उन्होंने तर्क दिया कि वंदे मातरम ष वाक्यांश मातरम ष्कृजिसका अर्थ है ष्मैं आपको नमन करता हूँ, माँष्कृकेवल शब्दों का संग्रह नहीं है, बल्कि भारत की जागृति, एकता और साहस का प्रतीक है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि यह गीत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1870 के दशक में रचा गया था और बाद में उनके प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ (1882) में शामिल किया गया, यह गीत भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

अनिल ने सामाजिक कल्याण पेंशन के लिए अपना पूरा विधायक वेतन दान करने का संकल्प लिया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : नगरोटा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार और ऑल जम्मू एंड कश्मीर पंचायत कॉन्फ्रेंस (एजेकेपीसी) के अध्यक्ष अनिल शर्मा ने समाज के कमजोर वर्गों को सामाजिक कल्याण पेंशन सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार और जम्मू-कश्मीर में उमर के नेतृत्व वाली केंद्र शासित प्रदेश सरकार के दृष्टिकोण और रवैये की कड़ी निंदा की है।

आज जम्मू में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, अनिल ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि जम्मू-कश्मीर के गरीब और असहाय लोग, जो पहले विधवा, वृद्धावस्था और विकलांगता पेंशन सहित विभिन्न श्रेणियों के तहत सामाजिक कल्याण पेंशन प्राप्त कर रहे थे, उपराज्यपाल प्रशासन द्वारा दस्तावेज़ जाँच के नाम पर उनके वाजिब लाभों से वंचित कर दिए गए हैं। महीनों की देरी के बाद भी उनकी पेंशन बहाल नहीं की गई। लोगों को आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए पहले मार्गदर्शन करने के बजाय, अधिकारियों ने गरीब और असहाय नागरिकों की पेंशन रोक दी और फिर कागजी कार्रवाई करने को कहा। नियम अब इतने कठोर हो गए हैं कि एक आम व्यक्ति के लिए सभी औपचारिकताएँ पूरी करना लगभग असंभव है।

उन्होंने पेंशनभोगियों की दुर्दशा पर चुप्पी के लिए उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली केंद्र शासित प्रदेश सरकार को भी ज़िम्मेदार ठहराया। अनिल ने कहा, ष्एक साल से ज़्यादा हो गया है, फिर भी न तो मुख्यमंत्री और न ही समाज कल्याण मंत्री ने इस संवे. दनशील मुद्दे पर एक शब्द भी कहा है। मुख्यमंत्री ने सदन में विधायकों और मंत्रियों की पेंशन बढ़ाने की बात तो कही, लेकिन सबसे ग़रीबों के लिए बनी समाज कल्याण पेंशन पर चुप्पी साधे रखी।ष्

शर्मा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं ' को आश्वासन दिया कि अगर उन्हें उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, तो वे अपना पूरा मासिक विधायक वेतन नगरोटा के सबसे योग्य लोगों , जिनमें विधवाएँ, अनाथ, दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं, को पेंशन देने के लिए दान कर देंगे। उन्होंने याद किया कि लगातार दो बार सरपंच रहते हुए भी उन्होंने अपना पूरा मानदेय अपनी पंचायत के गरीब परिवारों को दान कर दिया था। हल्का - जिंद्रा के किसी भी निवासी से सत्यापित किया जा सकने वाला तथ्य ।

उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक कल्याण पेंशन की बहाली और वृद्धि के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इन पेंशनों को स्वीकृत करने की प्रक्रिया सरल और सहानुभूतिपूर्ण होनी चाहिए, क्योंकि लाभार्थी समाज के सबसे कमज़ोर वर्ग से आते हैं। उन पर कठोर नियमों का बोझ डालने से उनकी पीड़ा और बढ़ेगी।

अनिल ने सरकार से सरकारी अस्पतालों द्वारा विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाने का भी आग्रह किया। उन्होंने माँग की कि इस प्रक्रिया को और अधिक मानवीय और सुलभ बनाया जाए ताकि विकलांगों को अपमानित न किया जाए, बल्कि उन्हें उनके घर पर ही ये प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएँ। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि विधवा पेंशन के लिए आयु संबंधी मानदंड हटा दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस सहायता को स्वीकृत करने के लिए कोई न्यूनतम या अधि. कतम आयु सीमा नहीं होनी चाहिए।

नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के कुछ हिस्सों में, बढ़ती नशीली दवाओं की लत के मुद्दे पर , चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार ने इसे एक बड़ी सामाजिक चुनौती बताया जिसके लिए सामूहिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ष्हमें नशा करने वालों और नशा माफिया के बीच स्पष्ट अंतर करना होगा। नशा करने वाले पीड़ित हैं और उन्हें सज़ा नहीं, बल्कि सहानुभूति और पुनर्वास मिलना चाहिए।ष् अनिल ने प्रभावित युवाओं को अपना जीवन फिर से संवारने में मदद करने के लिए नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के चार ब्लॉकों में से एक में नशा पुनर्वास केंद्र स्थापित करने का भी संकल्प लिया।

देवयानी राणा के समर्थन में भाजपा का जनसंपर्क अभियान

सबका जम्मू कश्मीर

सुरिंसर : भाजपा प्रत्याशी देवयानी राणा के पक्ष में मतदान की अपील करने के लिए, जम्मू-कश्मीर भाजपा कर्मचारी प्रकोष्ठ के संयोजक पी.सी. शर्मा और सह-संयोजक (सेवानिवृत्त) अभय कुमार महाजन द्वारा सुरिंसर नगरोटा निर्वाचन क्षेत्र में बोध राज शक्ति केंद्र प्रमुख के साथ घर-घर जाकर प्रचार किया गया।

वक्ताओं ने मतदाताओं से युवा, उत्साही, राष्ट्रवादी और समर्पित प्रत्याशी देवयानी राणा के पक्ष में मतदान करने की अपील की, जो हमेशा की तरह ईमानदारी से लोगों की सेवा करने का संकल्प लेती हैं। यह अपील की गई कि देवयानी राणा स्वर्गीय श्री देविंदर सिंह राणा की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ हैं, जिन्हें नगरोटा के लोगों ने प्यार किया और विजयी बनाया, इसलिए उन्हें भी वही प्यार और आशीर्वाद मिले। उपस्थित अन्य लोगों में प्रमुख रूप से राकेश कुमार शर्मा, सोहन लाल शर्मा मगर सिंह, नारायण सिंह, मंशु राम, अजय कुमार, दर्शन, सुनील कुमार, आर्टिकल देवी, घारू राम, अनीता देवी, पूरन चंद, सोहन लाल मुंशी राम, केवल कुमार, मदन लाल, थोडू राम, गोपाल दास, सैफ अली और सुदर्शन सिंह शामिल थे।

नटरंग प्रस्तुत करता है बावा के दो शो जित्तो झिरी में मेला 2025

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : विश्व स्तर पर प्रशंसित और प्रतिष्ठित डोगरी नाटक ' बावा ' जित्तो " ने एक बार फिर झिड़ी के मुख्य मंच पर लगातार दूसरे दिन हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया मेला 2025. नटरंग जम्मू द्वारा यह अत्यंत उत्कृष्ट प्रस्तुति , स्वर्गीय प्रो. राम नाथ द्वारा लिखित शास्त्री द्वारा निर्मित और पद्मा द्वारा अभिनव रूप से तैयार, डिजाइन और निर्देशित श्री बलवंत ठाकुर ने दर्शकों को बलिदान, न्याय और लचीलेपन की छह सौ पचास साल पुरानी गाथा में ले जाया। बावा की कहानी को जीवंत कर दिया जित्तो , एक महान किसान जिसने ज़मींदारों के अत्याचार और शोषण के खिलाफ लड़ते हुए अपनी जान दे दी। इस प्रस्तुति का सबसे खास पहलू यह था कि इसे उसी जगह पर प्रस्तुत किया गया जहाँ सदियों पहले ये ऐतिहासिक घटनाएँ घटी थीं, जिसने दर्शकों को एक ऐसा अनूठा अनुभव प्रदान किया जिसने इतिहास और रंगमंच के बीच की सीमाओं को धुंधला कर दिया। इस अवसर पर बोलते हुए नटरंग के निदेशक बलवंत ठाकुर ने कहा कि अगर ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को मेले की स्थायी विशेषता के रूप में संस्थागत रूप दिया जाए और अतिरिक्त रसद और तकनीकी सहायता प्रदान की जाए, तो यह क्षेत्र एक वैश्विक सांस्कृतिक स्थल के रूप में विकसित हो सकता है। उन्होंने कहा, ष्दुनिया में कहीं और ऐसा जीवंत नाट्य अनुभव देखने को नहीं मिलता जो दर्शकों को 15वीं शताब्दी के एक वास्तविक ऐतिहा. सिक क्षण में ले जाए।ष् उन्होंने जिला प्रशासन, विशेष रूप से जम्मू के उपायुक्त श्री राकेश का भी हार्दिक आभार व्यक्त किया। मिन्हास , आईएएस, और सुश्री पल्लवी मिश्रा , आईएएस, एसडीएम मढ़ , को प्रस्तुति को संभव बनाने में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

पिछले 40 वर्षों में नटरंग ने बावा के तीन सौ से अधिक प्रदर्शन किए हैं जित्तो ने पूरे भारत में धूम मचा दी। आज, यह देश में सबसे लंबे समय तक चलने वाला नाट्य मंचन है, जिसने डोगरी भाषा और जम्मू क्षेत्र को एक गौरवशाली सांस्कृतिक पहचान दिलाई है। झिरी में मेला नटरंग ने नाटक बावा की नियमित प्रस्तुतियों के 21 वर्ष पूरे किए जित्तो . यह नाटक अत्याचारी ज़मींदारों द्वारा भूमिहीन किसानों के शोषण की चिरकालिक कहानी प्रस्तुत करता है। ज़मीन विवाद के चलते अपने गाँव से निकाले गए बावा जित्तो अपनी नौ साल की बेटी गौरी के साथ, शामचक गाँव में अपने दोस्त रुल्लो के यहाँ शरण लेता है । अपनी कड़ी मेहनत से, जित्तो बंजर ज़मीन को उपजाऊ बनाता है। हालाँकि, लालची ज़मींदार अपने वादे से मुकर जाता है और फसल का ज़्यादा हिस्सा माँगता है। इस अन्याय को सहन न कर पाने के कारण, जित्तो अपनी जान ले लेता हैऔर एक दुखद अंत में, उसकी बेटी गौरी अपने पिता की चिता पर आत्मदाह कर लेती है।

जीडीसी विजयपुर ने वंदे मातरम के 150 वर्ष का स्मरण किया मातरम और जनजातीय गौरव दिवस

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (जीडीसी) विजयपुर में दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम मनाए गए - ' वंदे मातरम ' का 150वां वर्ष समारोह मातरम " और जनजातीय गौरव दिवस - बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ। जनजातीय गौरव युवा मिशन, उन्नत भारत और शिक्षित भारत जैसे क्लबों के अंतर्गत शिक्षा विभाग के सहयोग से, दिवस पर , भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विरासत में आदिवासी समुदायों के योगदान पर एक लघु वृत्तचित्र का विशेष प्रदर्शन आयोजित किया गया । इस वृत्तचित्र में पारिस्थितिकी, संस्कृति और सामुदायिक कल्याण के संरक्षण में आदिवासी समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र का समन्वयन प्रो. रितु ने किया। भगत (शिक्षा विभागाध्यक्ष) और डॉ. गुंजीत महिवाल (व्याख्याता, शिक्षा) ने छात्रों और शिक्षकों के बीच एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ समापन किया।

वंदे भारत ' का उत्सव एनएसएस इकाई (खिदमत) द्वारा आयोजित ' मातरम् ' कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान और एकता के प्रतीक पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुआ । इसके बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के भाषण का सीधा प्रसारण किया गया। नरेंद्र मोदी के संबोधन ने छात्रों और शिक्षकों को इस गीत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व की गहरी समझ दी। प्रो. ममता गुप्ता (वाणिज्य विभागाध्यक्ष) ने ' वंदे मातरम ' की शाश्वत प्रासंगिकता पर बात की। राष्ट्रीय गौरव को मजबूत करने में ' मातरम् ' का योगदान। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नसीम ने किया। चौधरी (एनएसएस पीओ) और प्रो. मीतू शर्मा (एचओडी भूगोल) द्वारा आयोजित कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के गायन के साथ हुआ, जो राष्ट्रीय चेतना के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दोनों कार्यक्रम डॉ. आशु के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किए गए वशिष्ठ , प्रिंसिपल जीडीसी विजयपुर , प्रो. ममता गुप्ता, डॉ. अनूप कुमार भगत , प्रो. रितु सहित संकाय सदस्यों के सक्रिय सहयोग से भगत , डॉ. मनोज हीर , डॉ. नसीम चौधरी , और प्रो. मीतू शर्मा, प्रो. सोनिया देवी, प्रो. मनीषा कुमारी , डॉ. पूजा गुप्ता और डॉ. अनूप सिंह ने कहा कि इस दोहरे समारोह में जीडीसी विजयपुर द्वारा छात्रों में देशभक्ति, सांस्कृतिक जागरूकता और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रति समर्पण को दर्शाया गया।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवेर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधिकता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है। ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के शासन में कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं : वंदे भारत पर रोक पर मुख्यमंत्री स्कूलों में मातरम की वर्षगांठ के कार्यक्रम

सबका जम्मू कश्मीर

बडगाम (जम्मू–कश्मीर) : जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने श वंदे मातरमश की 150वीं वर्षगांठ मनाने की अनुम. ति नहीं दी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में ष मातरम् ष का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए तथा कहा कि ऐसे मामलों में बाहरी निर्देश नहीं होने चाहिए तथा संघ शासित प्रदेश के शासन में कोई हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

अब्दुल्ला ने मध्य कश्मीर जिले में संवाददाताओं से कहा, ष्यह निर्णय न तो कैबिनेट द्वारा लिया गया है और न ही शिक्षा मंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं। हमें इन मामलों में बाहरी निर्देश के बिना ही अपने स्कूलों में क्या होता है, इसका निर्णय लेना चाहिए।ष

वंदे मातरम ष की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भाग लेने का आह्वान किया था। मातरम ।ष

मुताहिदा की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा मजलिस –ए– उलेमा (एमएमयू), जो कि जम्मू–कश्मीर मं कई धार्मिक संगठनों का एक गठबंधन है, ने इस ष्जबरदस्ती आदेशष को तत्काल वापस लेने की मांग की, तथा तर्क दिया कि गीत के कुछ हिस्से एकेश्वरवाद के संबंध में इस्लामी मान्यताओं के विपरीत हैं।

अब्दुल्ला शुक्रवार को बडगाम विधानसभा क्षेत्र में प्रचार कर रहे थे क्योंकि उस सीट पर 11 नवंबर को चुनाव होने हैं।

लोक सभा अध्यक्ष की अनुपस्थिति के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सभा सांसद, रूहुल्लाह मेहदी – जो तीन बार प्रभावशाली शिया समुदाय का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं – अब्दुल्ला ने टिप्पणी की कि उनकी पार्टी ने कभी किसी को प्रचार करने के लिए मजबूर नहीं किया।

अब्दुल्ला ने कहा, ष्जो लोग प्रचार करना चाहते हैं, वे स्वेच्छा से ऐसा करते हैं और जो नहीं करना चाहते, वे नहीं करते। यह बिल्कुल ठीक है; मैं किसी को भी प्रचार करने के लिए मजबूर नहीं करता। हालांकि, जब हम सफल होंगे, तो जो लोग हमारा समर्थन नहीं करते, वे हमारे जश्न में शामिल नहीं होंगे।ष

मेहदी पिछले कुछ महीनों से पार्टी से अलग–थलग हैं और उन्होंने सरकार के कामकाज की खुलेआम आलोचना की है।

मुख्यमंत्री ने गंदेरबल से जीतने के बाद बडगाम सीट खाली कर दी थी , जिसके कारण इस निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव कराना पड़ा । उन्होंने कहा कि वह कभी भी दो सीटों से चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे।

उन्होंने कहा, ष्मैंने अपने साथियों से कहा था कि मैं दो सीटों से चुनाव नहीं लड़ूंगा, लेकिन यह वास्तविकता बताने का सही समय नहीं है। एक दिन ऐसा आएगा जब सब कुछ आपके साथ साझा किया जाएगा।ष

जम्मू में बडगाम और नगरोटा दोनों सीटों पर जीत का भरोसा जताया , जहां उपचुनाव भी हो रहे हैं।

उन्होंने कहा, ष्हमें लगता है कि दोनों सीटों पर स्थिति हमारे पक्ष में है । अब (प्रचार के) अंतिम कुछ दिन बचे हैं और हमें उन मतदाताओं तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, जिनसे हमने अभी तक अपील नहीं की है और उन्हें नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए वोट देने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

एनआईटी श्रीनगर ने ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रशिक्षण का आयोजन किया

श्रीनगर : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने रविवार को फकीर गुजरी, श्रीनगर में एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं और महिलाओं को स्थानीय रूप से उगाए गए फलों और सब्जियों से पादप–व्युत्पन्न प्राकृतिक परिरक्षकों का उपयोग करके स्वस्थ खाद्य उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण देना था। यह कार्यक्रम प्राकृतिक पादप अर्क का उपयोग करके कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के विकास हेतु प्रौद्योगिकी हस्तांतरणष नामक परियोजना के तहत आयोजित किया गया था, जिसे राष्ट्रीय समन्वय संस्थान, आईआईटी दिल्ली द्वारा एसईजी – ग्रामीण आजीविका और उद्यमिता विकास के अंतर्गत प्रो. एम.ए. शाह और डॉ. मुदासिर अहमद को स्वीकृत किया गया था। इस पहल का उद्देश्य विज्ञान–संचालित प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना है जो आजीविका और उद्यमिता की संभावनाओं को मजबूत करते हैं।

यह प्रौद्योगिकी स्थानीय रूप से उपलब्ध उत्पादों से पेय पदार्थ, जूस, जैम और सॉस बनाने के लिए आसानी से अपनाई जाने वाली खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों पर केंद्रित है।

अपने संदेश में, एनआईटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण समुदायों को आधुनिक कौशल और तकनीकी जानकारी से लैस करके उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास न केवल रोज़गार क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि युवाओं को उद्यमिता की तलाश करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के क्षेत्रीय समन्वयक, प्रो. एम.एफ. वानी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यूबीए की पहल, तकनीक को ज़मीनी ज़रूरतों से जोड़कर बेरोज़गार ग्रामीण पुरुषों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रजिस्ट्रार प्रो. अतीकुर रहमान ने भी आयोजकों और प्रतिभागियों की सराहना की और इस बात पर ज़ोर दिया कि संस्थान परिसर से बाहर भी अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एनआईटी श्रीनगर समुदाय–उन्मुख पहलों का समर्थन करना जारी रखेगा जो लोगों, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में, कौशल विकास, नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती हैं। पूर्व छात्र एवं अंतर्राष्ट्रीय मामलों के डीन, प्रो. एम.ए. शाह ने कहा कि यह कार्यक्रम अनुसंधान और साम. ुदायिक नवाचार के बीच की खाई को पाटता है और प्रयोगशाला निष्कर्षों को सतत विकास के लिए वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में परिवर्तित करता है।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315
पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्ट्री पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशमन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मदन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चैरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

तरुण चुघ, सत शर्मा ने नगरोटा में देवयानी राणा के समर्थन में विशाल रैलियों को संबोधित किया

सबका जम्मू कश्मीर

नगरोटा : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू–कश्मीर प्रभारी तरुण चुघ ने भाजपा जम्मू–कश्मीर के अध्यक्ष और संसद सदस्य (राज्यसभा) सत शर्मा (सीए) के साथ नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के पंचायत कांगरेल के गांव दयारन और मथवार मंडल के गांव रंजन में पार्टी की उम्मीदवार देवयानी राणा के समर्थन में विशाल सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया।

भारी जन उत्साह से भरी रैलियों को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधित किया, जिनमें विधायक एवं नगरोटा उपचुनाव के प्रभारी शाम लाल शर्मा, डीडीसी अध्यक्ष एवं सह–प्रभारी भारत भूषण, विधायक कुलदीप राज दुबे, विधायक मोहन लाल, अयोध्या गुप्ता, नेहा महाजन और रणजोध सिंह नलवा शामिल थे।

तरुण चुघ ने अपने संबोधन में कहा कि यह विशाल जनसमूह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण और समावेशी विकास के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता में लोगों के विश्वास को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, नगरोटा के लोग देवयानी राणा के नेतृत्व में प्रगति का एक नया अध्याय लिखने के लिए तैयार हैं। भाजपा पारदर्शी शासन, युवा सशक्तिकरण और गरीबों के उत्थान की पक्षधर है और देवयानी राणा इसी का प्रतिनिधित्व करती हैं।

उन्होंने विपक्षी दलों पर दशकों से लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया और मतदाताओ. ॅ से उनकी विभाजनकारी और झूठे वादों की राजनीति को नकारने का आग्रह किया।

सत शर्मा ने जनता की प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि आगामी नगरोटा उपचुनाव केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि बदलाव और विकास का एक आंदोलन है। उन्होंने कहा, ष्लोग देख रहे हैं कि कैसे भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढाँचे के विकास और जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण के माध्यम से जम्मू–कश्मीर का कायाकल्प किया है। देवयानी राणा की जीत इस मिशन को और मज़बूत करेगी।ष शर्मा ने मतदाताओं से नगरोटा के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए भाजपा को भारी मत देने की अपील की।

शाम लाल शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि देवयानी राणा की उम्मीदवारी युवाओं और महिलाओं की आकांक्षाओं को दर्शाती है, जो एक मजबूत और अधिक उत्तरदायी नेतृत्व चाहते हैं।

भारत भूषण ने कहा कि हर गांव में लोगों का उत्साह नगरोटा को एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बनाने के उनके संकल्प को दर्शाता है।

कुलदीप राज दुबे ने लोगों से कहा कि वे अन्य लोगों को भी देवयानी रनात को वोट देने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि समावेशी और गैर–विभाजनकारी शासन को बढ़ावा मिले।

मोहन लाल ने कहा कि भाजपा के विकासोन्मुखी दृष्टिकोण और स्वच्छ राजनीति ने लोगों का विश्वास जीत लिया है।

जीडीसी मजाल्टा ने वंदे भारत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया मातरम

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज मजालता वंदे भारत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया मातरम – राष्ट्रीय गीत जिसने देशभक्ति, एकता और मातृभूमि के प्रति समर्पण के अपने संदेश से भारतीयों की पीढ़ियों को प्रेरित किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महान उपन्यासकार और देशभक्त बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करना था , जिन्होंने वंदे मातरम की रचना की थी। 1875 में श्मातारामश की स्थापना की गई तथा भारत के सांस्कृतिक और राष्ट्रीय जीवन में इसके स्थायी महत्व को उजागर किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक वंदेमातरम गान से हुई। स्टाफ और छात्रों द्वारा मातरम गीत का प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद एक वृत्तचित्र फिल्म दिखाई गई जिसमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, साहित्यिक सुंदरता और राष्ट्रीय प्रभाव को दर्शाया गया। इस वृत्तचित्र ने छात्रों को वंदे मातरम के गहरे भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव को समझने में मदद की। मातरम आज भी याद आता है।

इसके बाद भाषण, कविता पाठ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं, जिनमें भारत की विविधता में एकता का जश्न मनाया गया और मातृभूमि को श्रद्धांजलि दी गई । इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शालिनी शर्मा ने वंदे भारत की शाश्वत प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। मातरम को "एक पवित्र भजन" बताते हुए उन्होंने कहा कि यह "प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र की भावना से जोड़ता है।" उन्होंने छात्रों को इस गीत में निहित देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

वंदे भारत के साहित्यिक और ऐतिहासिक महत्व पर भी विचार व्यक्त किए। मातरम और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान एक रैली के नारे के रूप में इसकी भूमिका। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह स्मरणोत्सव भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति एक भावभीनी श्रद्धांजलि थी और छात्रों के लिए एकता और राष्ट्रीय गौरव के आदर्शों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा थी।

दूसरे जम्मू–कश्मीर मास्टर्स गेम्स : बैडमिंटन स्पर्धा सफलतापूर्वक संपन्न

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : दूसरे जम्मू–कश्मीर मास्टर्स गेम्स का बैडमिंटन इवेंट आरएस स्पोर्ट्स अकादमी, मीरां साहिब, जम्मू में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय कौशल, दृढ़ संकल्प और खेल भावना का प्रदर्शन किया। यह टूर्नामेंट जम्मू–कश्मीर मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन (जेकेएमजीए) द्वारा सुपर मास्टर्स गेम्स एंड स्पोर्ट्स फेडरेशन (इंडिया) के सहयोग से आयोजित किया गया था , और इसमें विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रोमेश शर्मा की देखरेख में आयोजित किए गए , जिन्होंने सभी मुकाबलों का सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित किया। प्रतियोगिता को दो आयु वर्गों – 30 से 45 वर्ष और 45 से 65 वर्ष – में विभाजित किया गया था और इसमें कई कड़े मुकाबले हुए जिन्होंने दर्शकों को पूरे समय बांधे रखा। 30 से 45 वर्ष की श्रेणी में अक्षय पुरुष एकल स्पर्धा में बेहल ने बलविंदर को हराकर जीत हासिल की। सैनी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कांस्य पदक अमित ने साझा किया।

दलाल और पंकज विग । युगल स्पर्धा में मो. हित जैन और मकरंद मेहता की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अमित दलाल और अमित भट्ट ने रजत पदक जीता। पंकज और रंजीत की जोड़ी ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक जीता। अंकुश के साथ विग जामवाल और बलविंदर सैनी रोमेश के साथ .

45 से 65 वर्ष की आयु वर्ग में भी कड़े मुक. ाबले देखने को मिले और अनुभव व सहनशक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ। विवेक स्लैथिया ने पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि जो. गिंदर पाल शर्मा ने रजत पदक जीता। अमित सिंह और जसविंदर सिंह ने कांस्य पदक साझा किए। युगल स्पर्धा में अमित सिंह और जसविंदर सिंह ने मिलकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि विवेक की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। स्लाथिया और जोगिंदर शर्मा ने रजत पदक जीता। नरिंदर सिंह, चमन शर्मा और रोमेश की जोड़ी ने कांस्य पदक साझा किए। रैना के साथ रामेश्वर सिंह मन्हास । जेकेएमजीए के अध्यक्ष और अनुभवी अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी, रणजीत सिंह चिब ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साह और प्रतिबद्धता के लिए बधाई दी और मास्टर्स के बीच खेलों में भागीदारी के महत्व पर ज़ोर दिया।

चिब ने कहा, ष्मास्टर्स गेम्स सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं हैं, बल्कि खेलों के प्रति अटूट जुनून और स्वस्थ जीवन जीने की भावना का जश्न मनाने के बारे में हैं।ष महासचिव नीते कौर खालसा ने प्रतिभागियों की भी सराहना की तथा कहा कि इस तरह के आयोजन वयस्कों को सक्रिय रहने तथा खेल समुदाय से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करते हैं।

केशव चोपड़ा ने उपराज्यपाल मनोज से मुलाकात की सिन्हा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : सामाजिक कार्यकर्ता और संवेदना सोसाइटी के अध्यक्ष केशव चोपड़ा ने आज जेकेयूटी के माननीय उपराज्यपाल श्री से मुलाकात की। मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में राजभवन , जम्मू में हुई । बैठक में केंद्र शासित प्रदेश में सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य जागरूकता और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में संवेदना सोसाइटी के व्यापक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बातचीत के दौरान, केशव चोपड़ा ने उपराज्यपाल को संवेदना सोसाइटी की समुदाय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से अवगत कराया और 100 निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविरों के आयोजन, आयुष्मान भारत, पीएमईजीपी, आभा, राशन कार्ड, आधार कार्ड दस्तावेज़ीकरण जैसी विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लोगों के घर–घर जाकर सफलतापूर्वक लाभ पहुँचाने और ज़्यादा से ज़्यादा नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान जैसी प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, केशव चोपड़ा ने मनोज को भी जानकारी दी। सिन्हा से डुग्गर दे रतन पुरस्कार 2025 की मेजबा. नी के बारे में बात की , जो डोगरी भाषा और क्षेत्र की स्थानीय विरासत को बढ़ावा देने वाली एक पहल है।

किश्तवाड़ में देशभक्ति की भव्यता के साथ वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया गया

सबका जम्मू कश्मीर

किश्तवाड़ू : किश्तवाड़ ज़िला प्रशासन ने आज देश की एकता, साहस और स्वतंत्रता संग्राम के प्रतीक, भारत के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

डीसी कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में ज़िला अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, छात्रों और नागरिक समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम का प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के साथ सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भारत के संकल्प को मज़बूत करने में ष्वंदे मातरमष के ऐतिहासिक महत्व और भावनात्मक शक्ति पर प्रकाश डाला।

समारोह की शुरुआत उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा के नेतृत्व में ध्वजारोहण समारोह के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगीत का भावपूर्ण सामूहिक गायन हुआ, जिसने उपस्थित जनसमूह में गहरी देशभक्ति की भावना भर दी। कार्यक्रम में कलात्मक भव्यता जोड़ते हुए, प्रसिद्ध नृत्यांगना तविशी आनंद ने राष्ट्रीय गौरव से प्रेरित एक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों की भरपूर सराहना मिली। "वंदे मातरम" की विरासत और कालातीत प्रासंगिकता को प्रदर्शित करने वाली एक लघु वृत्तचित्र प्रदर्शित की गई, जिसमें भारत की स्वतंत्रता को आकार देने वाले बलिदानों और संघर्षों की याद दिलाई गई।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ में एससी कल्याण संघ द्वारा नशा मुक्ति चिकित्सा शिविर आयोजित, विधायक डॉ. भारत भूषण ने की अध्यक्षता

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : एससी कल्याण संघ, जिला कठुआ की ओर से वार्ड संख्या 1 स्थित एससी मोहल्ला क्षेत्र में "नशा छोड़ो, ज़िंदगी संवारो" अभियान के तहत एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक डॉ. भारत भूषण ने की, जबकि पूरा प्रबंध जिला अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार के निर्देशन में किया गया।

विधायक डॉ. भारत भूषण ने नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखकर शिक्षा, संस्कार और सकारात्मक दिशा देना आज अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पुलिस प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इस दौरान डॉ. शिव कुमार ने कहा कि बच्चों को पारंपरिक शिक्षा के साथ–साथ आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा देना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित और संस्कारी समाज ही नशामुक्त और प्रगतिशील नगर का निर्माण कर सकता है।

शिविर में चिकित्सक डॉ. गौरी ने 85 से अधिक रोगियों की जांच कर निःशुल्क औषधियाँ वितरित कीं। उन्होंने आगे भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में समाजसेवी जोगी बिल्ला और अश्विनी बेरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

जम्मू विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह में नगरी (कठुआ) की रितिका शर्मा को पीएचडी की उपाधि

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी/कठुआ/जम्मू, जम्मू विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों के शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियाँ प्रदान की गईं। समारोह में कुलपति प्रोफेसर उमेश राय ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की उपस्थिति में उपाधियाँ सौंपीं।

इसी दौरान जिला कठुआ के कस्बा नगरी की रहने वाली रितिका शर्मा को भी पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उपाधि प्राप्त करने के बाद रितिका शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने मातादृपिता, मामा, भाई और बहन को देते हुए कहा कि परिवार ने हर कदम पर साधन, प्रोत्साहन और समर्थन देकर इस कठिन यात्रा को संभव बनाया। उन्होंने कहा कि परिवार के सहयोग के बिना वह इस मुकाम तक नहीं पहुँच

सकती थीं।

कानून विषय में पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वाले अन्य शोधार्थियों ने भी अपने मार्गदर्शकों और परिजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शीतल देवी ने नई कीर्तिमान स्थापित किया, एशिया कप के लिए भारत की सक्षम तीरंदाजी टीम में जगह बनाई

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : पैरा–तीरंदाज शीतल देवी, जो बिना हाथों के जन्मी विश्व कंपाउंड चैंपियन हैं, ने गुरुवार को जेद्दा में होने वाले एशिया कप स्टेज 3 के लिए भारतीय सक्षम जूनियर टीम में चुने जाने पर एक और बाधा को तोड़ दिया। उनका चयन शीतल के लिए एक और ऐतिहासिक पहला कदम है – एक सक्षम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम में एक पैरा–एथलीट का शामिल होना। ष्जब मैंने प्रतिस्पर्धा शुरू की, तो मेरा एक छोटा सा सपना था – एक दिन सक्षम लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करना। मैं पहले तो सफल नहीं हुई, लेकिन मैं आगे बढ़ती रही, हर असफलता से सीखती रही। आज, वह सपना एक कदम और करीब है,ष शीतल ने घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर लिखा। 2024 पेरिस पैरालंपिक में मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली शीतल ने तुर्की की पेरिस पैरालंपिक चैंपियन ओज़नूर क्यूर गिरदी से प्रेरणा ली, जो विश्व स्तर पर सक्षम स्पर्धाओं में भी प्रतिस्पर्धा करती हैं। समान परिस्थितियों में देश भर के 60 से अधिक सक्षम तीरंदाजों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए, जम्मू और कश्मीर की 18 वर्षीया ने सोनीपत में आयोजित चार दिवसीय कठोर राष्ट्रीय चयन ट्रायल में कुल मिलाकर तीसरा स्थान हासिल किया।

जिला जम्मू सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप का सफल समापन – खेलों से निखरता है व्यक्तित्व : अरविंद गुप्ता

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जिला जम्मू सॉफ्टबॉल एसोसिएशन द्वारा जम्मू कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल के तत्वावधान में आयोजित जिला जम्मू सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप 2025 का समापन शनिवार को जीजीएम साइंस कॉलेज ग्राउंड जम्मू में उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ हुआ

दो दिवसीय चौंपियनशिप के अंतिम दिन सीनियर बॉयज़ और सीनियर गर्ल्स वर्गों के रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले गए जिनके साथ प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ

समापन समारोह के मुख्य अतिथि जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता थे इस अवसर पर वीना गुप्ता चेयरपर्सन जिला जम्मू सॉफ्टबॉल एसोसिएशन मनिंदर सिंह अध्यक्ष जिला जम्मू सॉफ्टबॉल एसोसिएशन तथा अनिल अंगरल मंडल अध्यक्ष भाजपा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे

मुख्य अतिथि अरविंद गुप्ता ने सभी प्रतिभागी टीमों को उनकी खेल भावना और उत्साह के लिए

बधाई दी उन्होंने जिला जम्मू सॉफ्टबॉल एसोसिएशन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं

उन्होंने कहा कि खेल युवा वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि ये अनुशासन टीमवर्क और धैर्य के गुण सिखाते हैं उन्होंने जम्मू क्षेत्र में खेल ढांचे और प्रतिभा विकास को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वा. सन दिया

इस अवसर पर एडवोकेट पुषविंदर सिंह जिला सचिव जिला जम्मू सॉफ्टबॉल एसोसिएशन ने मुख्य अतिथि अतिथिगण और जम्मू कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल का आभार व्यक्त किया उन्होंने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और खेल भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि संघ भविष्य में भी जिले के उभरते खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है

वीना गुप्ता चेयरपर्सन जिला जम्मू सॉफ्टबॉल एसोसिएशन ने आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना की और सभी विजेताओं व उपविजेताओं को बधाई दी उन्होंने कहा कि खेलों में महिलाआ. ें की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है और युवतियों को सॉफ्टबॉल सहित अन्य खेलों में प्रतिस्पर्धात्मक स्तर पर आगे आने के लिए प्रेरित किया

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे

सीनियर बॉयज़ श्रेणी में स्ट्राइकर्स तेजस्वी क्लब ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चौंपियन का खिताब जीता बाबा जित्तो क्लब उपविजेता रहा जबकि एपीएस अखनूर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

सीनियर गर्ल्स श्रेणी में तेजस्वी क्लब विजेता रहा जिसने मैदान पर बेहतरीन समन्वय और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया एवरग्रीन क्लब उपविजेता घोषित हुआ और पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल भावना का परिचय दिया फाइनल मुकाबलों के उपरांत मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विजेताओं व उपविजेताओं को ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए दर्शकों ने जोरदार तालियों से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया चौंपियनशिप के मैचों का संच. ालन पवन कुमार आयुष सिंह हरविंदर सिंह सोढी और मदन मोहन द्वारा निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से किया गया।

डोगरी भाषा अकादमी की युवा अध्यक्षा डॉ. आशु शर्मा को दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू, प्रतिष्ठित साहित्यकारा, अनुवादक और डोगरी भाषा अकादमी, जम्मू की युवा इकाई की युवा अध्यक्षा डॉ. आशु शर्मा को 13 नवंबर 2025 को जम्मू विश्वविद्यालय के जनरल जोरावर सिंह सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में डोगरी में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. आशु शर्मा ने प्रोफ़ेसर सुषमा शर्मा के मार्गदर्शन में "डोगरी नाटकें च सामाजिक चेतना (2000 तगर)" विषय पर अपना शोध कार्य पूरा किया।

उल्लेखनीय है कि वे साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के युवा साहित्य अकादमी पुरस्कार 2022 से सम्मानित हो चुकी हैं। साहित्य सृजन के क्षेत्र में वे कई वर्षों से सक्रिय हैं और उनकी अब तक लगभग एक दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। डोगरी भाषा में प्रकाशित उनके लघु कथा संग्रह "कठपुतली" को 2022 में युवा पुरस्कार से नवाज़ा गया था।

डॉ. आशु शर्मा पिछले 12 वर्षों से डोगरी भाषा अकादमी से जुड़ी हुई हैं और अकादमी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं।

नौगाम पुलिस स्टेशन में ज़ब्त विस्फोटक फटा;नायब तहसीलदार समेत 9 की मौत, 29 घायल; 200 मीटर दूर तक बिखरे मिले अंग

अनिल भारद्वाज

श्रीनगर : नौगाम पुलिस स्टेशन में कल देर रात हुए एक भीषण विस्फोट ने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी। पुलिस स्टेशन के भीतर रखे ज़ब्त विस्फोटक के फटने से एक नायब तहसीलदार समेत 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में पुलिसकर्मी, एफएसएल टीम के सदस्य, एक स्थानीय दर्जी और अन्य कर्मचारी शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि विस्फोटक अमोनियम नाइट्रेट था, जिसे हाल ही में जम्मू-कश्मीर पुलिस और फरीदाबाद पुलिस द्वारा एक कथित डॉक्टरों के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के बाद फरीदाबाद से जब्त किया गया था और नौगाम थाने लाया गया था।

विस्फोट की तीव्रता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि कुछ शवों के अंग पुलिस स्टेशन से 100 से 200 मीटर दूर तक बिखरे पाए गए। कई शवों की पहचान जल जाने के कारण मुश्किल हो रही है।

घायलों को श्रीनगर स्थित सेना के 92 बेस अस्पताल, स्किम्स सौरा और एक स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कई घायलों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञ टीमें तैनात कर दी गई हैं।

पटियाला में साहित्य कलश का वार्षिक सम्मान समारोह, पुस्तक विमोचन और राष्ट्रीय काव्य सम्मेलन भव्य रूप से संपन्न

सबका जम्मू-कश्मीर/राम सिंह

पटियाला/पंजाब कृ साहित्य कलश पब्लिकेशन एवं परिवार पटियाला द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह, पुस्तक विमोचन एवं राष्ट्रीय काव्य सम्मेलन का आयोजन प्रभात परवाना हाल में भव्यता के साथ किया गया, जिसमें 300 से अधिक साहित्यप्रेमियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पटियाला के स्थानीय साहित्यकारों के साथ-साथ अनेक प्रान्तों से आये साहित्यकार भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में दिनेश सूद, पवन गोयल, मंजू मैडम, डॉ. नीरज भारद्वाज, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, कुमार विशेष और गीता रानी ने विशेष अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। मंच के संस्थापक सागर सूद संजय एवं मंचासीन पदा. धिकारियों ने माँ सरस्वती के समक्ष पुष्पांजलि समर्पित कर एवं शम्मा रौशन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सरस्वती वंदना के बाद काव्य गोष्ठी का आरम्भ हुआ, जिसमें देशभर से आये 82 साहित्यकारों ने गीत, ग़ज़ल, नज़्म, व्यंग्य और लघु कथा सहित विभिन्न विधाओं में अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कर माहौल को काव्यमय बना दिया। डी.के. सूद ने पहले पड़ाव में मनमोहक शैली में संचालन किया।

समाजसेवा का संदेश

कार्यक्रम के दूसरे पड़ाव में साहित्य कलश द्वारा 160 ज़रूरतमंद विद्यार्थियों को कापियां वितरित की गईं, जो सामाजिक उत्तरदायित्व की एक सराहनीय पहल रही।

11 पुस्तकों का लोकार्पण

तीसरे चरण में मनु वैश्य के संचालन में 11 पुस्तकों का विमोचन किया गया। इनमें 'शब्दों की महफ़िल' (89 कवियों का काव्य संकलन), 'काव त्रिंजन' (49 कवियों का पंजाबी संग्रह), राजेंदर व्यथित की 'अर्थों का सरमाया', पुनीत गोयल की तीन पुस्तकें कृ दुआ, सोच, सोच दे दायरे, डॉ. इंदर पाल सिंह की चिठियाँ सुनेहे और इंदर धनुष, लेखिका अमृत पाल कौर की मैं ते कवितावां, डॉ. अनिषा अंगरा अंगिरा की बेशकल राब्ता और अमित वर्मा रहवर की ग़ज़ल संग्रह वो रंग भी कमाल था शामिल थीं।

साहित्यिक विभूतियों का सम्मान

इसके बाद 'राजेंद्र व्यथित साहित्य गौरव सम्मान 2025' सहित विभिन्न स्मृति सम्मान प्रदान किए गए। सुभाष भास्कर, डॉ. अनीश गर्ग, निरंजन बोहा, बजिंदर ठाकुर, अमृत पाल सिंह कॉफ़ी और कुलविंदर कुमार को अंगवस्त्र, सम्मानपत्र और धनराशि देकर सम्मानित किया गया। अन्य सम्मान समारोहों में भी कई साहित्यकारों को गौरव उपाधियाँ प्रदान की गईं।

काव्य पाठ एवं शुभकामनाएँ

सम्मानित साहित्यकारों ने अपने वक्तव्यों और काव्य पाठ के माध्यम से कार्यक्रम की भव्यता को और निखारा। अतिथियों ने सागर सूद और साहित्य कलश परिवार के प्रयासों की खूब सराहना की। समारोह के बीच साहित्य कलश परिवार के सदस्यों का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं समापन

कार्यक्रम के अंत में साहित्य कलश परिवार के दिवंगत सदस्यों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ और लंच के पश्चात सभी ने मधुर स्मृतियों के साथ विदाई ली।

अनंतनाग के नौकरशाह को आदेश की अवहेलना के लिए अदालत में पेश होने का आदेश

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : अनंतनाग की एक अदालत ने अपने आदेशों का पालन न करने के कारण एक वरिष्ठ नौकरशाह को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने के लिए बुलाया है और साथ ही उनके वेतन की कुर्की का भी आदेश दिया है। अनंतनाग के प्रधान जिला न्यायाधीश ताहिर खुर्शीद रैना ने पिछले सप्ताह अपने आदेश में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के आयुक्त सचिव को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होकर यह बताने के लिए बुलाया था कि उनके आदेशों की अवहेलना करने पर उन्हें सिविल जेल क्यों न भेज दिया जाए। अदालत ने विभाग के मुख्य अभियंता कश्मीर, हाइड्रोलिक सर्कल के अधीक्षण अभियंता और बाढ़ नियंत्रण के कार्यकारी अभियंता को भी 17 नवंबर को अदालत में पेश होने के लिए बुलाया है।

कई निष्पादन याचिकाओं की सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने कहा कि ष्मुकदमेबाजी में डिक्री प्राप्त करना सबसे आसान काम है, लेकिन इसका निष्पादन सबसे कठिन हैए। न्यायाधीश रैना ने इस बात पर जोर दिया कि न्यायपालिका, ष्एक सतर्क प्रहरीष होने के नाते, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न्यायालयों के आदेशों का अक्षरशः कार्यान्वयन हो, तथा डिक्री धारकों को इस न्यायालय द्वारा निर्णयित उनके दावों का वैध लाभ प्राप्त हो।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर
"पत्रकारों की आवश्यकता"
'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र
के लिए जम्मू कश्मीर के सभी जिला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें
योग्यता:
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया प्रयास में काम करने का अनुभव
अपना बायोडाटा ई.मेल करें
sabkajammukashmir@gmail.com
संपर्क नंबर :
6005134383

युद्धवीर सेठी ने जनता दरबार लगाया, जनसमस्याएं सुनीं

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जनता तक पहुंच को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर शिकायतों का समाधान करने के लिए, जम्मू पूर्व के विधायक युद्धवीर सेठी ने आज पंडित प्रेम नाथ डोगरा भवन, कच्ची छावनी में जनता दरबार का आयोजन किया, जहां उन्होंने बड़ी संख्या में निवासियों, व्यापारियों और विभिन्न स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

कार्यक्रम का उद्देश्य जम्मू पूर्व निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की नागरिक, बुनियादी ढाँचागत और प्रशासनिक समस्याओं का समाधान करना था। संवादात्मक सत्र के दौरान, स्थानीय लोगों ने जल निकासी व्यवस्था, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइटिंग और बेहतर नागरिक सुविधाओं की आवश्यकता से संबंधित अपनी चिंताएँ व्यक्त कीं। विभिन्न वार्डों के प्रतिनिधियों ने भीड़भाड़ वाले इलाक़ों में यातायात की भीड़, पार्किंग सुविधाओं और अतिक्रमण के मुद्दे भी उठाए।

दरबार में भाजपा जम्मू जिला के सचिव परवीन केरनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष अम्फला स्वाति शर्मा तथा पार्टी सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने विधायक और निवासियों के बीच सुचारू बातचीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम का समन्वय किया तथा अपना सहयोग दिया।

युद्धवीर सेठी ने सभी प्रतिनिधिमंडलों की बात धैर्यपूर्वक सुनी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को वास्तविक शिकायतों का शीघ्र निवारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस, शोक सदेश, गुमशुदा सूचना, बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक, सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन
MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

बिहार का जनादेश झूठे वादों को नकारता है : डस्| राजीव जसरोटिया ने मंगलौर दुगढ़ रोड ब्लैकटॉपिंग का उद्घाटन किया

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : जसरोटा विधानसभा के विधायक राजीव जसरोटिया ने आज मंगसववत से गढ़ (बालोटे मार्ग) तक सड़क की ब्लैकटॉपिंग का उद्घाटन किया। लंबे समय से लंबित यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए सुगम आवागमन और बाजारों तथा आवश्यक सेवाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करेगी। 30 लाख रुपये की यह परियोजना क्षेत्र में अवसंरचना विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इसके साथ ही विधायक ने गांव टांडा पंचायत बन में 9 लाख रुपये की लागत से दो हैंडपंपों का भी उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह में ग्मद च्ँक मोना भट्ट, |म्म च्भ्म संदीप, |म्म विशाल डोगरा, मंडल प्रधान डिंगा अंब दीपक शर्मा, पूर्व मंडल प्रधान समर सिंह, सरपंच कुलभूषण, सरपंच केवल, सरपंच कुलदीप गुप्ता, पंच श्याम प्रसाद, गंधारब सिंह, देविंदर जसरोतिया, विक्की, मगर सिंह, सरपंच पल्लू, सरपंच योगेश, सरपंच राजकुमार, नायब सरपंच देव राज, बासक सिंह, सुदर्शन, मुकेश, सरदारी सिंह और आकाश सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विधायक जसरोटिया ने जनसभा में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। स्थानीय निवासियों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की गति बढ़ने पर खुशी जताई और विधायक के प्रयासों की सराहना की।

जसरोटिया ने कहा, "मैं सुनिश्चित करूँगा कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। जनता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अवश्य उठाए।"

उन्होंने कहा कि बीजेपी खोखले वादों में नहीं, बल्कि विकास के स्पष्ट परिणामों में विश्वास रखती है। बिहार विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा,

"बिहार का जनादेश उन लोगों के लिए करारा जवाब है जो झूठे वादों और ऊंचे दावों से जनता को गुमराह करते हैं। एनडीए की प्रचंड जीत इस बात का प्रमाण है कि लोग विकास को चुनते हैं।"

अंत में उन्होंने कहा कि बीजेपी जसरोता सहित पूरे जम्मू–कश्मीर के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और जनता की भलाई के लिए लगातार कार्य करती रहेगी।

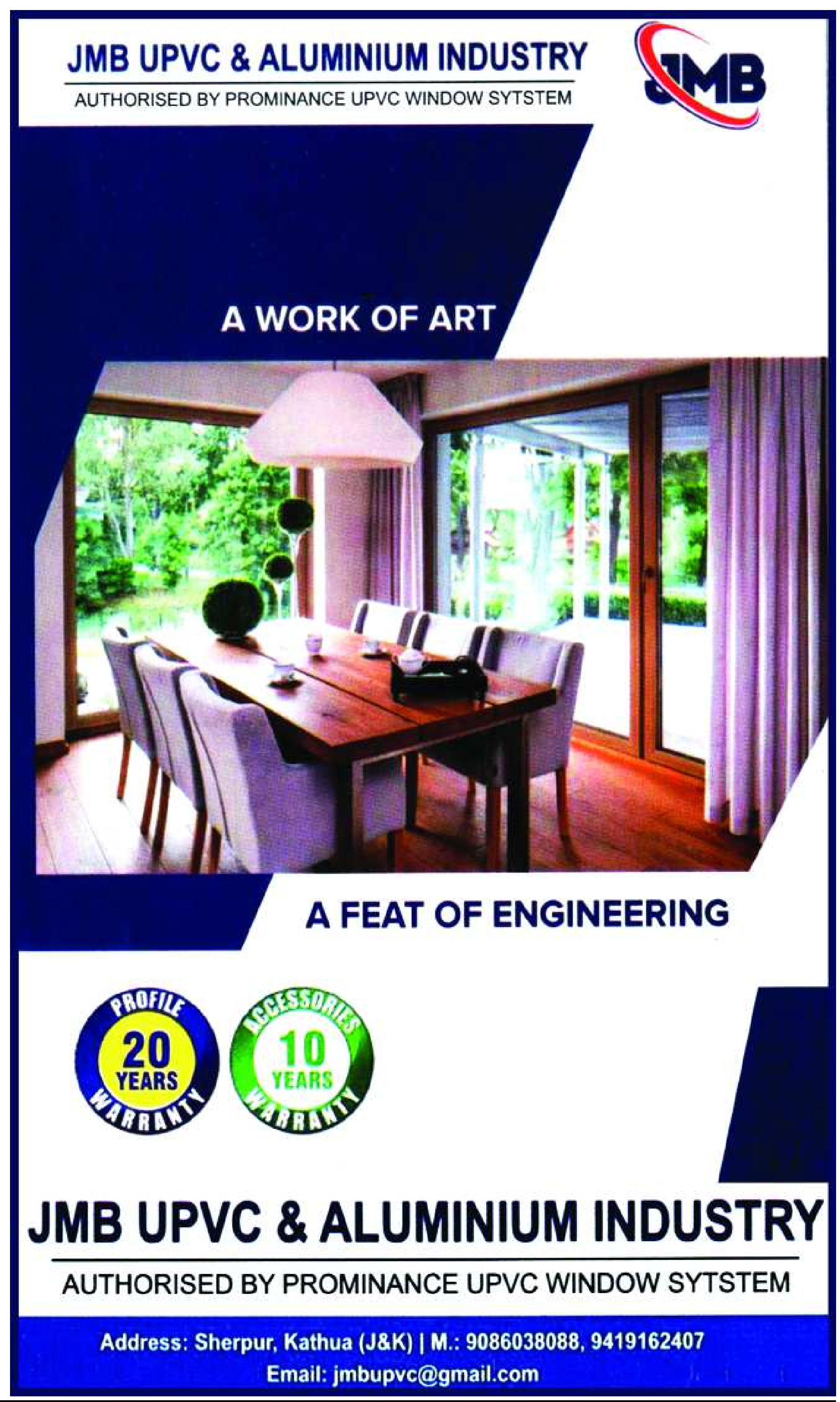

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक: राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 | संपादक: राज कुमार